सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 82 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 04 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

वंदेभारत स्लीपर: 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का ट्रायल रन सक्सेस, जल्द पटरियों पर दौड़ेगी ट्रेन

परीक्षण के दौरान पकड़ी 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर किया पोस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/नईदिल्ली। भारतीय रेलवे में वंदेभारत एक्सप्रेस ने एक क्रांति लाई है। अब रेलवे नये साल में देश में यात्रियों के लिए तेज़ और सुरक्षित रेल यात्रा लाने के लिए तैयार है। छोटी और मध्यम दूरी की चेयर कार ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोगों को तेज़, सुरक्षित और विश्व-स्तरीय यात्रा का अनुभव देने के बाद, भारतीय रेलवे लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए भी इसे साकार कर रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। वीडियो में पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदेभारत स्लीपर ट्रेन का हुआ 30 किमी लंबा ट्रायल रन

राजस्थान के बूंदी जिले में गुरुवार को कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे। एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

गति के साथ लंबी दूरी की रेल यात्रा में बदलाव

इन वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को स्वचालित दरवाजे, बेहद आरामदायक बर्थ, ऑन बोर्ड वाई-फाई और विमान जैसी डिज़ाइन जैसी सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया है। देश में यात्री पहले से ही मध्यम और छोटी दूरी पर चलने वाली 136 वंदे भारत ट्रेनों के माध्यम से शयन सीटों और विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव का आनंद ले रहे हैं। रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी प्रति घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई, हावड़ा से मुंबईऔर कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा।

लंबी दूरी के शहरों का यात्रा समय होगा कम

मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी प्रति घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी प्रति घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है। वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज़ ट्रेन है और 180 किमी प्रति घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है। नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के शुरू होने से यात्रा के समय में काफी बचत होगी।

खास-खबर

जशपुर में मंदिर के पुजारी से गाली गलौच, पूजा-पाठ बंद करने की भी दी चेतावनी, आरोपी गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मंदिर के पुजारी से गाली गलौच व पूजा बंद करने की चेतावनी का मामला सामने आया है। मंदिर में पूजा के दौरान बजने वाले लाउड स्पीकर को बंद करने की बात को लेकर बदमाश ने मंदिर के पुजारी से गाली गलौच की। इस मामले में पुजारी की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 196(2), 299 के तहत कार्रवाई की गई। मामला बगीचा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार 3 जनवरी 25 को प्रार्थी भूपेंद्र पाठक पिता लालमणि पाठक ने थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वह दुर्गा मंदिर बगीचा का पुजारी है। शुक्रवार की सुबह पंडित पाठक दुर्गा मंदिर में पूजा पाठ, आरती कर रहे थे। इस दौरान रौनी रोड बगीचा निवासी नासिर अली खान पहुंचा और अभद्रता पूर्वक, अपशब्द कहते हुए लाउड स्पीकर बंद करने के लिए कहा गया। बंद नहीं करने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पूजा करने आए अन्य व्यक्तियों को भी पूजा आरती करने से रोका।

इस मामले में शिकायत के बाद बगीचा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल घटना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश में आरोपी नासिर अली खान के विरुद्ध बीएनएस की धारा 196(2),299 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी नासिर अली खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि धार्मिक सौहार्दय बिगाड़ने का प्रयास अगर किसी व्यक्ति द्वारा किया जाएगा तो पुलिस द्वारा उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही करेगी।

तमिलनाडु में बड़ा हादसा, विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, छह की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में छह लोगों की मौत की खबर है। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में स्थित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। मरने वालों में फैक्ट्री के ही छह कर्मचारी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फैक्ट्री में चार कमरे थे, जो धमाके के बाद ध्वस्त हो गए। सूचना के बाद अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कुछ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है, लेकिन माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में कई पटाखा फैक्ट्री हैं और यहां कई हादसे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बीते साल हुए एक हादसे के बाद पटाखा फैक्ट्रियों में सेफ्टी रेगुलेशन की जांच करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद वहां हादसे नहीं रुक रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण को केन्द्र सरकार ने सराहा

केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार को दी 225 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण के लिए किए गए प्रयासों की केंद्र सरकार ने सराहना की है। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल और इसके दूरगामी सकारात्मक प्रभावों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्य को 225 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है। इससे छत्तीसगढ़ सरकार को इस कार्य को और भी बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी।

केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार को भूमि रजिस्ट्री प्रक्रिया को ऑनलाइन करने और इसे भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने के लिए 150 करोड़ रुपए तथा विरासत रजिस्ट्री को डिजिटल कर आम जनता के लिए सर्च सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 75 करोड़ रुपए दिए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य में भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य की सराहना और इसके लिए दी गई प्रोत्साहन राशि हमारे लिए उत्साहवर्धक है। यह राशि हमारे डिजिटलीकरण प्रयासों को और तेज करेगी, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सकेगा।

जीआईएस मैपिंग के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण के तहत भू-आधार (विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या) जारी करने, कैडेस्ट्रल नक्शों का सर्वेक्षण और डिजिटलीकरण तथा कृषक रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। इससे किसानों को बैंकिंग सेवा, ऋण और सरकारी योजनाओं का सहजता से लाभ मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए जीआईएस मैपिंग के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

मास्टर प्लान तैयार करने में होगा सहायक

सीएम साय ने कहा कि यह प्रक्रिया शहरी नियोजन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के साथ ही मास्टर प्लान तैयार करने में सहायता करेगी। भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण परियोजना छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और शहरी नागरिकों को सशक्त बनाने के साथ ही राज्य में विकास कार्यों को नई दिशा देगी। केंद्र द्वारा मिली सराहना राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। प्रोत्साहन राशि का उपयोग लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने में किया जाएगा।

चालीसा महोत्सव में शामिल होने वाले लोगों के लिए खुशखबरी बिलासपुर के चकरभाटा रेलवे स्टेशन पर ठहरेंगी 10 एक्सप्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर जिले के चकरभाटा में 9 एवं 10 जनवरी 2025 को चालीसा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। चालिसा महोत्सव में शामिल होने छत्तीसगढ़ के साथ आसपास के राज्यों से भी लोग पहुंचेंगे। चकरभाटा में होने वाले चालिसा महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव रायपुर मंडल के चकरभाठा रेलवे स्टेशन में दिया जाएगा। चकरभाटा स्टेशन पर यह ट्रेनें 1 मिनट के रुकेंगी। आस्थाई ठहराव की सुविधा 9 एवं 10 जनवरी 2025 को केवल 02 दिनों के लिए दिया गया है।

इन ट्रेनों को मिलेगा अस्थाई ठहराव

- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18239 कोरबा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी शिवनाथ एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 21:07 बजे पहुंचेगी तथा 21:08 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18240 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-कोरबा शिवनाथ एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 06:37 बजे पहुंचेगी तथा 06:38 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 14:34 बजे पहुंचेगी तथा 14:35 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 10:29 बजे पहुंचेगी तथा 10:30 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 18:07 बजे पहुंचेगी तथा 18:08 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 09:15 बजे पहुंचेगी तथा 09:16 बजे रवाना होगी ।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18517 कोरबा-विशाखापटनम लिंक एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 18:27 बजे पहुंचेगी तथा 18:28 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 18518 विशाखापटनम-कोरबा लिंक एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 08:44 बजे पहुंचेगी तथा 08:45 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 12855 बिलासपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी इंटरसिटी एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 15:36 बजे पहुंचेगी तथा 15:37 बजे रवाना होगी।
- 09 एवं 10 जनवरी 2025 को गाड़ी संख्या 12856 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-बिलासपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस चकरभाठा स्टेशन 14:02 बजे पहुंचेगी तथा 14:03 बजे रवाना होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं निर्देशक प्रकाश झा ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शनिवार मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता, निर्देशक, कलाकार एवं पटकथा लेखक प्रकाश झा ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रकाश झा के छत्तीसगढ़ आगमन पर उन्हें शाल और स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में हिंदी फिल्मों के निर्माण और फिल्म उद्योग के विकास की संभावनाओं के सम्बन्ध में चर्चा की। प्रकाश झा ने कहा कि छत्तीसगढ़ पसंदीदा फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रकाश झा जी उन दिग्गज फिल्मकारों में से एक हैं, जो अपनी फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को पर्दे पर बखूबी उतारते हैं।

स्पीडब्रेकर के झटके से शुरू हो गईं धड़कनें

श्रीकंचनपथ

स्पीडब्रेकर को आम तौर पर शरीर और वाहन दोनों के लिए खतरनाक माना जाता है। नए जमाने के स्पीडब्रेकर तो लगभग जीरो स्पीड पर भी अस्थि पंजर हिला देते हैं। केवल नए दौर की चौड़े पहियों वाली बड़ी गाड़ियां ही इन ब्रेकरों को आराम से पार कर पाती हैं। ब्रेकरों का यह कहकर भी मजाक उड़ाया जाता है कि यदि अस्पताल के रास्ते में स्पीड ब्रेकर हो तो गर्भवती की रास्ते में ही नार्मल डिलीवरी हो जाती है। पर यही ब्रेकर जान बचा भी सकते हैं। कम से कम पांडुरंग उल्के के साथ तो ऐसा ही हुआ। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में रहने वाले पांडुरंग को 16 दिसम्बर 2024 को दिल का दौरा पड़ा। उनकी उम्र 65 साल है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी धड़कनों को लौटाने का काफी कोशिशें की गईं। कुछ घंटों बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर घर लौटने लगे। रास्ते में एक बड़ा सा स्पीडब्रेकर था। इसपर शव वाहन तो उछला ही, शव भी जोरों से उछला और वापस स्ट्रेचर पर आ गिरा। इसके बाद पांडुरंग के शरीर में हरकतें शुरू हो गईं। जैसे ही परिजनों की नजरें उनकी उंगलियों पर पड़ी वे तत्काल उन्हें लेकर दोबारा अस्पताल पहुंचे। तब तक उनकी सांसें भी चलने लगी थीं। ऐसा लगा जैसे वे हांफ रहे हों। तत्काल इलाज शुरू कर दिया गया। 16 दिन के इलाज के बाद पांडुरंग घर लौट आए। जो काम कार्डियोपल्मनरी रेससिटेशन (सीपीआर) और डीफिब्रिलेटर जैसी मशीनें नहीं कर पाईं, उसे एक अदने से स्पीड ब्रेकर ने कर दिया। पर चिकित्सकों की राय इससे भिन्न है। चिकित्सा विज्ञान के जानकार इसे लाजारस सिंड्रोम का मामला बता रहे हैं। उनका कहना है कभी-कभी हृदय की धड़कनों को दोबारा शुरू करने के लिए किए गए चिकित्सकीय उपायों का असर बेहद धीमा हो जाता है। कभी-कभी इसका असर उपचार के घंटों बाद सामने आता है। ऐसे कई मामले देश में सामने आ चुके हैं। अमेरिका के ओहायो स्थित क्लीवलैंड क्लिनिक के आंकड़ों के मुताबिक 1982 से 2018 के बीच ऐसे 65 मामले सामने आ चुके हैं जिसमें मृत्यु के कई घंटे बाद व्यक्ति दोबारा जिन्दा हो गया। हालांकि भारत में इस तरह की घटनाओं का कोई डाटा नहीं है पर ऐसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। फरवरी 2024 में बिहार के बेगूसराय की 60 वर्षीय रामबती मृत्यु के 15 घंटे बाद चिता पर रखते ही दोबारा उठ बैठीं। अक्टूबर 2023 में वृंदावन की 38 साल की कविता, नवंबर 2021 में मुरादाबाद के 40 वर्षीय श्रीकेश भी मरने के घंटों बाद उठकर बैठ गए। हमारे यहां इसे दैवीय चमत्कार माना जाता है। कुछ लोग इसे अस्पताल की लापरवाही बताकर हंगामा करना शुरू कर देते हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में ऐसा होने पर नारियल, फूल माला और अगरबत्ती चढ़ने लगता है। अफसोस, दोबारा जी उठने वालों में से 70 फीसदी कुछ ही घंटों में दोबारा मर जाते हैं।

संपादकीय

मनमोहन परिवार के हैं, परिवार से पूछा जाएगा

राजनीति पहलवानी के कम नहीं होती है, पहलवानी में जैसे हराने के लिए दांव-पेंच चले जाते हैं वैसे ही राजनीति में भी सामने वाले के दांव के जवाब में ऐसा दांव चला जाता है कि सामने वाला हार मानने के अलावा और कुछ कर ही नहीं सकता है। राजनीति करने वाले हर बात में राजनीति करते हैं,वह यह नहीं देखते हैं कि समय कैसा है, समझदार लोग तो शोक के समय राजनीति नहीं करते हैं, केंद्र सरकार ने यदि सात दिन का शोक घोषित किया है तो कम से कम सात दिन तो राजनीति करने से बचना चाहिए। मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस को ऐसा करना था लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी।

> **पहले तो कांग्रेस अध्यक्ष एम खरगे ने राजनीति की शुरुआत की पीएम मोदी व अमित शाह को पत्र लिखकर और यह मांग करके कि मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि ऐसी जगह की जानी चाहिए जहां उनकी समाधि बनाई जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को अंदाजा था कि सरकार मनमोहन सिंह की अंत्येषिट ऐसी जगह कराने नहीं जा रही है,जहां उनकी समाधि बनाई जा सके। मोदी सरकार पहले राजकीय सम्मान से मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि कराने वाली है और वह जगह निगमबोध घाट हो सकता है। ऐसा हुआ भी।**

मोदी सरकार ने सबसे पहले राजकीय सम्मान से मनमोहन सिंह की राजकीय अंत्येषिट् कराने की व्यवस्था की और यह भी साफ कर दिया था कि वह मनमोहन सिंह का स्मारक भी बनवाएगी और एक ट्रस्ट भी बनवाएगी। कांग्रेस को मौका मिला पीएम मोदी की आलोचना का कि उन्होंने मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि निगमबोध में कराकर दो बार की पीएम व पहले सिख पीएम का अपमान किया है। कांग्रेस को यह बात बुरी लगी कि पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित कर दिया था,राजकीय सम्मान से अंत्येष्टि करने की घोषणा भी कर दी थी और उनका स्मारक व ट्रस्ट भी बनाने की बात साफ कर दी थी। यानी मनमोहन सिंह का पूरा सम्मान करने में पीएम मोदी ने कांग्रेस से बाजी मार ली थी।

कांग्रेस के कुछ कहने से पहले ही उन्होंने मनमोहन सिंह के सम्मान वह सब कर दिया था जो किया जाना था। इसलिए कांग्रेस मौका ढूंढ रही थी कि यह बताने के लिए पीएम मोदी मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं करते है, और मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि निगम बोध घाट में कराने पर उसे मौका मिला पीएम मोदी की आलोचना की कि उन्होंने ऐसा करके दो बार के पीएम मनमोहन सिंह का अपमान किया है। ऐसा करके कांग्रेस यह दिखाना चाहती थी वह हमारे नेता थे, हम उनका ज्यादा सम्मान करते थे,हमको उनके सम्मान की ज्यादा फिक्र है।

वैसे पूरा देश जानता है कि दस साल पीएम रहने के दौरान मनमोहन सिंग का गांधी परिवार ने कोई सम्मान नहीं किया।उनके निधन पर सोनिया गांधी,राहुल गांधी ने जो कुछ कहा वह किसी को सच नहीं लगा।राहुल गांधी ने तो उनको अपना गुरु कहा तो लोगों की प्रतिक्रिया थी कि अगर राहुल गांधी मनमोहन सिंह को गुरु मानते तो उनके कैबिनेट से पास अधिनियम की कापी नहीं फाड़ते। यदि उनके मन में मनमोहन सिंह के प्रति गुरु जैसा सम्मान का भाव होता तो मनमोहन परिवार के साथ अंतिम यात्रा में वाहन में नहीं बैठते वह उस वाहन के पीछे कुछ दूर तो पैदल चलते जिस वाहन में मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर रखा था।वह मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा में पैदल चलते हुए तो नहीं दिखे। राहुल गांधी यदि मनमोहन सिंह को अपना गुरु मानते तो उनके उनके निधन पर राष्ट्रीय शोक के दौरान छुट्टी मनाने के लिए विदेश नहीं जाते।

मनमोहन सिंह के निधन पर राहुल गांधी व कांग्रेस ने यह जताने का प्रयास किया कि वह हमारे हैं लेकिन उनके आचरण से यह सबको दिख गया कि वह मनमोहन सिंह का अपना नहीं मानते थे। रही सही कसर मोदी सरकार ने पूरी कर दी है।सरकार का फैसला है कि मनमोहन सिंह के स्मारक व ट्रस्ट का फैसला मनमोहन सिंह का परिवार करेगा। इसके लिए शहरी कार्य मंत्रालय ने स्मारक के लिए मनमोहन सिंह परिवार को तीन विकल्प सुझाए हैं,राष्ट्रीय स्मृति स्थल राजघाट,किसान घाट व समता स्थल।जो भी स्थल चयन करेगा,वहां मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जाएगा, इसी के साथ ट्रस्ट बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है.ट्रस्ट के आवेदन पर स्मारक बनाने के लिए जमीन दी जाएगी।ट्रस्ट में कौन शामिल होगा इसका फैसला भी मनमोहन सिंह का परिवार करेगा।

ऐसा करके मोदी सरकार ने कांग्रेस की आलोचना का जवाब दे दिया है कि मनमोहन सिंह कांग्रेस के नहीं अपने परिवार के है, देश के हैं, इसलिए कांग्रेस से पूछने की जगह मनमोहन सिंह के परिवार से स्मारक व ट्रस्ट के लिए पूछा जा रहा है। सरकार ने कांग्रेस को न कुछ बताया है और न ही कुछ पूछा है। ऐसा करके मोदी सरकार ने बता दिया है कि जो लोग मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं करते उनसे कुछ पूछने की जरूरत भी नहीं है।

नजरिया

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

प्रहलाद सबनानी

भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से

बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

(ये लेखक के विचार हैं)

वर्ष 2025 में सरल कर व्यवस्था की अपेक्षा

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से देश के छोटे-बड़े सभी करदाता वर्ष 2025 में सरल कर व्यवस्था की अपेक्षा कर रहे हैं। यद्यपि सरकार सरल कर व्यवस्था के लिए एक के बाद एक लगातार कदम आगे बढ़ा रही है, लेकिन नये वर्ष में अभी और अधिक सरल कर व्यवस्था जरूरी दिखाई दे रही है।

पिछली 21 दिसम्बर को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) काउंसिल की जैसलमेर में हुई 55वीं बैठक में जीएसटी के सरलीकरण और राहत संबंधी कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। खास तौर से छोटे कर्जदारों को राहत देते हुए कहा गया है कि ऋण शतरे का पालन नहीं करने पर ऋणदाताओं द्वारा जो जुर्माना लगाया जाएगा, उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। खास किस्म के फोर्टफाइड चावल पर जीएसटी कम किया गया है। कैंसर की जीन थेरेपी को कर-मुक्त किया गया है। इस्तेमालशुदा यानी पुराने वाहनों की बिक्री पर कर दर 18 फीसद कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अगस्त, 2024 में आयकर अधिनियम को सरल बनाने के लिए मुख्य आयकर आयुक्त वीके गुप्ता की अध्यक्षता में गठित समिति कर रियायतों को तर्कसंगत बनाने, कर गणना के तरीके का स्तर बढ़ा कर इसे विस्तरीय बनाने और अपील करने की व्यवस्था में जटिलता कम करने संबंधी सुधारों पर तेजी से काम कर रही है।

समिति कर विशेषज्ञों और विभिन्न निकायों से प्राप्त सिफारिशों की समीक्षा कर रही है। ज्ञातव्य है कि आयकर अधिनियम, 1961 की करीब 90 धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। मौजूदा स्रेत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रेत पर कर संग्रह (टीसीएस) व्यवस्था को सरल करने, सीमा शुल्क कानून की तरह ही यह समिति दरों की व्यापक अनुसूची बनाने पर आगे बढ़ रही है। इससे कानूनी जटिलताएं और मुकदमेबाजी में काफी कमी आएगी तथा कर कटौती प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी होगी। उम्मीद है कि गुप्ता समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होगी और इसके आधार पर विधि मंत्रालय की मदद से नये आयकर विधेयक का मसौदा तैयार किया जाएगा। निश्चित रूप से पिछले एक

दशक में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में तेज सुधारों का सिलसिला लगातार बढ़ा है, और इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली है, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह लगभग चार गुना बढ़ कर 10.45 लाख करोड़ रु पये का रहा। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि आयकर वर्ष 2023-24 में 8.09 करोड़ से ज्यादा रिकॉर्ड आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। साथ ही, मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में पिछले वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। जिस तरह देश में आयकर संबंधी सुधारों से आयकरदाताओं की संख्या और आयकर राशि में तेजी से इजाफा हुआ है, उसी तरह देश में अप्रत्यक्ष करों में भी सुधार हुआ है। ऐतिहासिक सुधार कहा जाने वाला वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 1 जुलाई, 2017 से लागू हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीएसटी का संग्रहण 20.18 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पूर्ववर्ती साल के मुकाबले 11.7 फीसद वृद्धि दिखाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवम्बर, 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फीसद बढ़ कर 14.56 लाख करोड़ हो गया है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि हो रही है। वस्तुत: कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ रही है। सरकार की मुट्ठी में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद कर रहा है, बल्कि सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बना रहा है। चूंकि देश ने 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य रखा है, उस दिशा में आगे बढने् के लिए कर सुधारों के साथ कर संग्रह में लगातार इजाफा जरूरी होगा और तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल से कर संग्रह में वृद्धि तेज की जानी होगी।

ऐसे में उपयुक्त होगा कि आयकर अधिनियम को सरल बनाने के लिए गठित गुप्ता समिति शीघ्रतापूर्वक अपनी रिपोर्ट पूर्ण करते हुए इस बात पर ध्यान दे कि प्रति व्यक्ति आय के लिए छूट की सीमा को कम करने के मद्देनजर छूट के स्तर को निकट भविष्य में अपरिवर्तित रखा जाए। समिति को ध्यान देना होगा कि करदाताओं की संख्या में इजाफा कर व्यवस्था को अधिक निष्पक्ष बनाया जाए ताकि इससे कर भुगतान को लेकर दृष्टिकोण को सही दिशा में बढ़ावा मिल सके। इसी प्रकार जीएसटी की जटिलताएं कम करके इसे अधिक सरल और कारगर बनाना होगा। नई टेक्नोलॉजी के उपयोग से जीएसटी अनुपालन जितना अधिक कारगर होगा, उतना ही अधिक जीएसटी संग्रह बढ़ाया जा सकेगा।

इसके अलावा, जीएसटी चोरी के खिलाफ सरकार द्वारा प्रभावी अभियान चलाया जाना होगा क्योंकि कई कारोबारी फर्जी बिल के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठा रहे हैं। टैक्स चोरी रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रभावी बदलाव किए जाने होंगे। जीएसटी दरों को कम करने के साथ जीएसटी स्लैब को तर्कसंगत बनाना होगा। समय आ गया है कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा की खरीदारी पर लगने वाले 18 फीसद जीएसटी में राहत सुनिश्चित की जाए। क्विक कॉमर्स कंपनियों पर जीएसटी को लेकर निर्णय लिया जाए। पेट्रोलियम उत्पादों और जमीन एवं रियल एस्टेट को भी जीएसटी के दायरे में लाया जाए। निस्संदेह ऐसे प्रयासों से सरकार को आयकर और जीएसटी की अधिक प्राप्ति हो सकेगी। देश की जीडीपी में कर राजस्व का योगदान बढ़ेगा और सरकार विकसित भारत के लिए अधिक रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

अब सम्मान नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य

श्रुति व्यास

अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में झूठ बोलकर ही अपना नैरेटिव, सहानुभूति और जनसमर्थन चाहिए। हम बहुत भद्दे, गंदे समय में जी रहे हैं। एक बुरी तरह बंटे और कटे हुए समाज में जी रहे हैं। हर आदमी सही है और हर आदमी गलत है। जो हर एक मुद्दे पर हमसे सहमत नहीं हैं वो हमारे लिए बुरा बन जाता है।

राजनीति ने हालात और ख़राब किए हैं। लोगों को बांट दिया है, धुव्रीकृत कर दिया है। नेता अब विचारधारा के आधार पर नहीं चुने जाते है। हम किसी पार्टी को इसलिए वोट नहीं देते है क्योंकि हमें उस पर भरोसा है। बल्कि हम उसे इसलिए वोट देते हैं क्योंकि हम उसकी विरोधी पार्टी से डरते हैं या नफरत करते हैं। हम किसी को पसंद नहीं करते, हम उसके प्रतिद्वंदी को नापसंद करते है।

तभी बंटे हुए समाज में, इस ध्रुवीकरण से लोकलुभावन बातें बेइंतहा बढ़ गई है। सारी दुनिया में मुख्यधारा के अधिकांश राजनेता अब वोट हासिल करने और लोगों को भावनात्मक रूप से अपने से जोडने् के लिए एक ही राग अपनाएं हुए है कि वे आम आदमी के पक्षधर हैं और कुलीनों, बड़े लोगों के विरोधी हैं।

लोक लुभावन बातें सिर्फ दलगत राजनीति तक सीमित नहीं हैं। सार्वजनिक संवादों में लोकलुभावनवाद का प्रयोग मुख्यत: सत्ता-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए किया जाता है, इस नजरिए को पेश करने के लिए किया जाता है कि कुलीन भ्रष्ट हैं। यह धारणा इस हद तक बढ़ चुकी है कि 'कुलीन वर्ग ' - जिसमें पढे-लिखे, अध्येता और पत्रकार भी शामिल हैं - ने इसे स्वीकार लिया है। नियति मान लिया है कि अब ऐसे ही चलेगा। यह हमारी रोजमर्रा की चर्चाओं में शामिल हो चुका है। यह सब मान चुके हैं कि कुलीन, बौद्धिक वर्ग भ्रष्ट है और आम लोगों के कॉमनसेंस, सहज समझदारी की चिंता नहीं करता।

पिछले तीन-चार दिनों में - पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देहावसान के बाद से - यह विभाजन साफ तौर पर दिखलाया दिया है। सोशल मीडिया विरोध और नफरत से भरा हुआ है। सब एक दूसरे की हर मुद्दे पर खिलाफत कर रहे हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा दोनों शामिल हैं। पुराने, एक सेकंड लम्बे वीडियो खोद निकाल पोस्ट किए जा रहे हैं ताकि गुस्सा भड़के। पार्टियों के ट्रोल योद्धा जोरशोर से ऐसी चीज़ें पोस्ट कर रहे हैं जिससे नफरत और बढ़ रही है। 'विरोधी भावनाएं' उफान पर हैं। विरासतों को कलंकित किया रहा है। प्राण त्याग चुके व्यक्ति की आत्मा को बार-बार यातना दी जा रही है - एक के बाद एक ट्वीट करके, मौके पर चौका मारने के लिए और इतिहास पर पर्दा डाला जा रहा है।

मैं यह नहीं समझ पा रही हूँ भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव - विशेषकर देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु से जुड़े हुए नैरेटिव - से भला किस तरह उसे आगे राजनैतिक, चुनावी लाभ हासिल होगा या पार्टी की इमेज चमकाई जा सकती है? लेकिन जब सत्ता पाना, उसके इस्तेमाल करने, से अधिक महत्वपूर्ण होता है तब कुछ भी सही या गलत नहीं रह जाता। आज की राजनीति इस हद तक नफरत भरी हो गई है कि झूठ बोलने में लोगों को मज़ा आता है। राजनीतिज्ञ अपने विरोधियों को दानव साबित करने में जुटे हुए हैं, फिर चाहे वे इस दुनिया में हों या न हों।

वे दूसरे पक्ष को भ्रष्ट, अतिवादी और बेईमान साबित करने के लिए बिना किसी झिझक के झूठ का सहारा ले रहे हैं। आखिरकार सच्चाई का सामना करने के लिए दमदार लीडरशीप की जरूरत होती है और राजनीति करने से आपको सदैव सबका सम्मान हासिल नहीं होता। डॉ। मनमोहन सिंह को हमेशा कड़वी अपमानजनक बातें सुननी पड़ीं लेकिन वे चुप्पी साधे रखने के अपने संकल्प से नहीं डिगे। उन्हें उनके कामों के लिए याद रखा जाएगा, उनका काम बोलेगा, यही उनका नजरिया रहा। और जो 'सहज बुद्धि' के पक्षधर हैं, वे सदैव उन्हें इसके लिए ही याद रखेंगे। शायद यही वजह है कि लुटियन्स दिल्ली के बहुत से बड़े क्लबों ने नए साल के जश्न के कार्यक्रम एक ऐसे नेता के सम्मान में रद्द कर दिए हैं जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था को आज़ादी दिलाने वाले सेनानी के नाते याद किया जाता है।

लेकिन दौर बहुत घिनौना है। अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में हालात यह हैं कि झूठ बोलकर ही सहानुभूति, करूणा और जनसमर्थन हासिल करने का जुनून किया है; इतिहास और समाज को बदलने की कोशिश है। क्योंकि अब सम्मान हासिल करना नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन •इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन •GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस •BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, सदस्य, सरपंच एवं पंच हेतु आरक्षण की कार्यवाही 8 से 10 जनवरी को

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993, छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 एवं छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के अनुशंगिक प्रावधानों के तारतम्य में सर्वसाधारण की जानकारी एवं नियमानुसार आरक्षण की कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में उपस्थिति हेतु आम सूचना जारी की गई है। जिले के जिला पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष/सदस्य एवं ग्राम पंचायत के सरपंच/पंच पदों के प्रवर्गवार एवं महिलाओं के प्रवर्गवार स्थानों के आबंटन/आरक्षण के लिए नियमानुसार कार्यवाही 8 जनवरी 2025 को सम्पादित की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्ग जिला के प्राधिकृत अधिकारी कलेक्टर द्वारा जिला पंचायत के सभा कक्ष में 8 जनवरी 2025 को प्रातः 11 बजे से कार्यपूर्णता तक जनपद पंचायत अध्यक्ष/जिला पंचायत सदस्य आरक्षण हेतु कार्यवाही सम्पादित की जाएगी। जनपद पंचायत दुर्ग/धमधा/पाटन के प्राधिकृत अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा संबंधित जनपद पंचायत सभाकक्ष दुर्ग/धमधा/पाटन में 8 जनवरी से 10 जनवरी 2025 को प्रातः 10 बजे से कार्य पूर्ण होने तक जनपद पंचायत सदस्य/सरपंच के आरक्षण हेतु कार्यवाही सम्पादित की जाएगी। इसी प्रकार जनपद पंचायत दुर्ग/धमधा/पाटन हेतु प्राधिकृत अधिकारी तहसीलदार द्वारा संबंधित जनपद पंचायत दुर्ग/धमधा/पाटन के सभा कक्ष में 8 जनवरी से 10 जनवरी तक प्रातः 10 बजे से कार्य पूर्ण होने तक वार्ड पंच के आरक्षण की कार्यवाही सम्पादित की जाएगी।

बी.डी. कोसरिया सम्मानित

भिलाई। कुर्मि भवन, शंकर नगर, दुर्ग में छ.ग. भ्रातृसंघ के द्वारा छत्तीसगढ़ के महान संत गुरू बाबा घासीदास जी के जयंती के अवसर पर विश्व भर में गुंजित संदेश मनखे मनखे ल मान, सगा भाई के समान विषय पर चिंतन एवं विचार हेतु महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ गुरू बाबा घासीदास, डॉ. खूबचंद बघेल सहित छत्तीसगढ़ के समस्त महापुरूषों के तेल चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पम कर पूजा अर्चना की गई । स्वागत भाषण इंजीनियर कौशल वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष छ.ग. भ्रातृसंघ द्वारा किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परदेशीराम वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार ने विचार रखा कि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्न दृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल ने गुरू बाबा घासीदास के इस विचार से काफी प्रभावित था, इसलिए उसने ऊंच-नीच नाटक लिखकर और मंच ने जातिभेद मिटाने का बड़ा काम किया था। कार्यक्रम अध्यक्षता कर रहे है कि के.आर. शाह अध्यक्ष छ.ग. आदिवासी परिषद ने कहा कि बाबाजी से इस विचार ने छत्तीसगढ़ में गहरा प्रभाव डाला यही कारण है कि छत्तीसगढ़ में जातिभेद नगण्य है । विशेष अतिथि राधेश्याम साहू ने छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव में शासन द्वारा जारी आरक्षण में पिछड़ा वर्ग को नुकसान पर आंकड़े सहित बताया तथा ओ.बी.सी. महासभा द्वारा विरोध किये जाने कि जानकारी दी ।

महापौर परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

आगनबाड़ी कार्यकर्ता व पांच साहिकाओं की होगी नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक एमआईसी कक्ष में आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता महापौर नीरज पाल, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एवं महापौर परिषद के सदस्यो की उपस्थिति में की गई। बैठक में प्रमुख रूप से 14 एजेण्डा पर विस्तृत चर्चा की गई। 1 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं 5 सहायिकाओं की नियुक्ति हेतु महापौर परिषद से अनुमोदन किया गया।

निगम के वाहन शाखा हेतु उच्च कुशल, कुशल, अर्द्धकुशल वाहन चालक एवं हेल्फर उपलब्ध कराने का कार्य चर्चा के बाद पारित किया गया। राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत वर्ष 2020-21 से 2021-22 तक निविदा उपरांत एसओआर से कम के कारण बचत राशि से कार्य कराये जाने की अनुसंशा प्रदान की गई है। इस कार्य हेतु संबंधित अभियंता की तारिफ की गई। इसी तारतम्य में तुम्हर शहर तुम्हर जिम्मेदारी के तहत नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित रामनगर मुक्तिधाम का उन्नयन विकास कार्य एवं रखरखाव कार्य को सलाहकार समिति की बैठक की अनुसंशा के पश्चात पुनः महापौर परिषद में रखे जाने की सहमति बनाई गई है। मिशन अमृत 2.0 अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य में चर्चा कर पारित किया गया। तालाब की जलकुम्भी सफाई हेतु वीड हारवेस्टर मशीन क्रय किये जाने की आवश्यकता को देखते हुए सर्व सम्मति से पारित किया गया है। नगर पालिक निगम भिलाई जोन कार्यालय जोन क्रं. 03 एवं शिवनाथ विस्तार योजना के मध्य स्थित भूमि के आबंटन कार्य को सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा के उपरांत आगामी महापौर परिषद की बैठक में पुनः प्रस्तुत करने को कहा।

महापौर नगर पालिक निगम भिलाई एवं आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई हेतु आवास की आवश्यकता को देखते हुए सर्व सम्मति से पारित किया गया। साथ में यह भी चर्चा की गई एक विश्रामगृह निर्माण की भी आवश्यकता है। नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्ति की सुरक्षा हेतु सुरक्षागार्ड की सेवांए जारी करने के लिए प्रस्तुत संक्षेपिका के अनुसार सहमति प्रदान की गई। नगर पालिक निगम कार्यालय के स्थान पर चन्द्रा मौर्या अण्डर ब्रिज के पास आंन ग्रिड सोलर प्लांट स्थापना से स्थल पर लगे हुए मोटर में विद्युत प्रवाह की निरंतरता बनी रहे इस हेतु सहमति प्रदान की गई। इससे निगम का विद्युत व्यय का भी बचत होगा। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में शहीद स्व. संजय गुप्ता के नाम पर सड़क एवन्यू ए सेक्टर 7 का नामकरण करने हेतु वार्ड पार्षद से प्राप्त जानकारी एवं स्थल निरीक्षण उपरांत नामकरण किये जाने की सहमति प्रदान की गई। साथ में 3 और सड़को का नामकरण हेतु सामान्य सभा के माध्यम से अनुमोदन पश्चात प्रस्तावित किया गया। निगम क्षेत्र में स्थित उच्चस्तरीय जलागार में डबल वैल्यू सिस्टम लगाने हेतु आवश्यकता को देखते हुए सहमति प्रदान की गई। इससे यह सुविधा मिलेगी की एक वाल खराब होने के कारण दुसरे वाल का उपयोग किया जा सकता है जिससे नगर वासियो को शुद्व पेयजल प्रदाय की निरंतरता बनी रहे। चर्चा के दौरान यह भी आया कि महापौर निधि के माध्यम से नगर पालिक निगम भिलाई के सभी 70 वार्ड में बैडमिंटन ग्राउण्ड निर्माण कराने की सर्व सम्मति से पारित हुआ था। कुछ वार्ड ऐसे है जहां पर पहले से ही बैडमिंटन ग्राउण्ड है या कुछ वार्ड में उपयुक्त स्थल नहीं होने के कारण बैडमिंटन ग्राउण्ड नहीं बन पाया। बैडमिंटन कोर्ट नहीं बनने से जो बचत राशि है उस राशि से जोन स्तर पर बेहतर रूप से बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया जाये।

बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एन्थोनी, साकेत चंद्रकार, आदित्य सिंह, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गंवई, एकांश बंछोर, संदीप निरंकारी, केशव चैबे, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू सहित निगम के उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे, जोन आयुक्त येशा लहरे, अजय सिंह राजपूत, सतीश कुमार यादव, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चंद्रकांत साहू, अभियंतागण, एवं विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एम.जामुलकर को स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर के रायपुर शहर क्षेत्र में स्थानांतरण उपरांत कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर शुभकामनाओं सहित भावभीनी विदाई दी गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जामुलकर के कार्यकाल के दौरान अर्जित उपलब्धियों एवं अविस्मरणीय पलों को याद किया। कार्यक्रम में दुर्ग रीजन में नवपदस्थ मुख्य अभियंता एस.आर.बी.खंडेलवाल का पदभार ग्रहण करने पर स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि दुर्ग शहर के रायपुर नाका स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय में मुख्य अभियंता का पदभार एस.आर.बी.खंडेलवाल को मुख्य अभियंता जामुलकर ने सौंपा। श्री खंडेलवाल ने कंपनी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्ग क्षेत्र अन्तर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले में विद्युत विकास की गति को आगे बढ़ाने में टीमवर्क के साथ सतत् प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि तीनों जिले में निर्बाध विद्युत व्यवस्था एवं उत्कृष्ठ उपभोक्ता सेवा को बनाये रखने के साथ विद्युत अधोसरंचना के कार्य उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि अपनी पूरी टीम के साथ मेहनत और लगन से दुर्ग रीजन में विद्युत सुविधाओं को नई उंचाई पर ले जा सकूं। गौरतलब है कि खंडेलवाल ने वर्श 1989 में पूर्ववर्ती मध्यप्रदेश विद्युत मंडलमें अपनी सेवाएं प्रारंभ की। सेवाकाल के दौरान श्री खंडेलवाल ने वर्ष 1993 से 1999 तक छावनी एवं 2006 तक ग्रामीण-एक उपसंभाग में सहायक अभियंता के पद पर एवं वर्ष 2010 से 2014 तक शहर भिलाई/भिलाई पश्चिम संभाग तथा वर्ष 2017-18 में भिलाई पूर्व संभाग में कार्यपालन अभियंता के पद पर सेवाएं प्रदान की। तत्पश्चात् उच्च और उच्चतम कार्यालयों में बड़ी जिम्मेदारी निभाते हुए कार्यपालक निदेशक एवं प्रबंध निदेशक कार्यलयों में अधीक्षण अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर सेवाएं दे चुके हैं।

जल संरक्षण में पीएचई विभाग का विशेष प्रयास रिसाव रोकने पाइप लाइनों की मरम्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग द्वारा सेक्टर-9 व 8 में पीने के पानी की पाईप लाईन का मरम्मत का कार्य किया गया। सेक्टर 9 एनपीए क्वा. नं. 13 ए में मकान के पीछे से गुजरने वाली 3 इंच की पानी की पाईप लाईन से पानी का ज्यादा रिसाव हो रहा था। किन्तु पाईप लाईन के ऊपर आम का एक बड़ा फ्लदार वृक्ष होने की वजह से वहाँ कार्य करने में कठिनाई आ रही थी जिसे पीएचई विभाग की टीम ने एक कार्ययोजना बनाकर पूरा किया।

पीएचई विभाग की टीम ने पहले उक्त स्थान की खुदाई की, फिर उस जगह का माप लेकर वर्कशॉप में उसके लिए स्पेशल बेन्ड पाईप तैयार किया, इसके बाद उसमें पलैन्ज लगाकर दो सीआईडी ज्वाइंट के जरिए बिना पेड़ को हटाए पाइप लाइन को बाजू से परिवर्तित कर इस समस्या का समाधान निकाल लिया गया। इससे पेड़ को कोई नुकसान भी नहीं हुआ और पानी का भारी रिसाव भी बंद हो गया। इसी प्रकार सेक्टर-6 के सड़क 34, क्वा. नं. 8 एफमें भी 10 इंच की पानी की पाइप लाइन से पानी का भारी रिसाव हो रहा था, जिससे संबंधित इलाकों में पानी का प्रेशर कम हो गया था। इस क्षेत्र में भी पाइप लाइन के ऊपर आम का एक बड़ा पेड़ एवं बाउंड्रीवाल होने की वजह से पाइप लाईन की मरम्मत करने में भारी परेशानी हो रही थी। इस स्थान पर भी पेड़ व बाउंड्रीवाल को सुरक्षित बचाए रखने की चुनौती थी। इसलिए कुशलतापूर्वक रिसाव क्षेत्र से पेड़ के जड़ को काटकर पाइप लाइन के रिसाव वाले हिस्से को क्लैपिंग कर ठीक कर लिया गया।

इस कार्य को पीएचई प्रभारी व उपमहाप्रबंधक डी सी सिंग, सहायक महाप्रबंधक पी एल साहू, वरिष्ठ प्रबंधक व्ही के भोंडेकर के कुशल मार्गदर्शन में सेक्टर 9 व 6 तथा वर्कशॉप सेक्शन के कार्मिकों के सहयोग से पूर्ण किया गया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पूर्व में भी इसी प्रकार कई कठिन जगहों पर उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं।

मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता तथा महाप्रबंधक विष्णु पाठक ने उक्त कार्य की सराहना करते हुए कहा कि नगर सेवाएं विभाग टाउनशिप की समस्याओं के हरसंभव समाधान के लिए कटिबद्ध है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग टाउनशिप के निवासियों से अपील करता हैं कि पानी व सीवरेज लाइन के ऊपर कोई निर्माण कार्य न करें और न ही कोई पेड़ लगाएँ। पीने की पानी के नल की टोंटी खुला न रखें।

प्रतियोगी परीक्षाओं में वरदान साबित हो रही है छत्तीसगढ़ सरकार की योजना संबंधी पुस्तकें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लइका मन पढ़ही त छत्तीसगढ़ हा आगे बढ़ही। जीवन में सफलता दिलाने के लिए पुस्तक एक मार्गदर्शक का काम करती है। मार्गदर्शक का नाम लेते ही छत्तीसगढ़ सरकार की योजना से संबंधित पुस्तकों का ख्याल जहन में आता है। छत्तीसगढ़ सरकार की जनमन पत्रिका एवं अन्य योजनाओं पर आधारित पुस्तके विद्यार्थियों के लिए सफलता की कुंजी है। पुस्तकों में प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का संकलन है।

राज्य सरकार की सभी पुस्तके उपलब्धियों और जनहितकारी फैसलों पर केन्द्रित है। इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजना के साथ अन्य जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी शामिल है। यह पुस्तक जनसंपर्क कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। संघ, राज्य लोक सेवा आयोग और व्यापम जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का नाम आते ही विद्यार्थियों के मन मे एक डर और चिंता की भावना घर कर जाती है। परीक्षा नाम से ही सहम जाते हैं। जनसंपर्क विभाग की शासन की योजनाओं पर आधारित कल्याणकारी पुस्तके विद्यार्थियों का भविष्य लिख रही है। इन पुस्तकों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है, जिससे परीक्षार्थी उक्त पुस्तक का अध्ययन कर सफलता की सीढ़ी पार कर रहे हैं।

यह पुस्तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रही है। जिले में संचालित विभिन्न एकेडमियों द्वारा जनमन पत्रिका, एक साल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां, सुशासन के नवीन आयाम, उदित छत्तीसगढ़ जैसी पुस्तके सीजीपीएससी, व्यापाम, शिक्षक एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी में लगे विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। दुर्ग के न्यू आदर्श नगर में संचालित सृजन एकेडमी में सीजीपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही कुमारी अंजली महिलांगे ने बताया कि पुस्तक में सरकार की विभिन्न प्रकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी आकड़ों सहित बहुत ही अच्छे तरीके से दर्शायी गयी है। यह पुस्तक हमारे लिए बहुत उपयोगी साबित हो रही है।

एक अच्छी पुस्तक के अभाव में हम परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। मार्केट में बहुत सारी पुस्तके उपलब्ध होते हुए भी एक विश्वसनीय और पारदर्शी पुस्तक का चुनाव कर पाना मुश्किल होता है, परंतु योजनाओं पर आधारित राज्य सरकार की पुस्तक हमारे लिए एक विश्वसनीय स्त्रोत के रूप में कार्य कर रही है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले हर अभ्यर्थी को यह पुस्तक जरूर पढ़नी चाहिए।

महाकुंभ में भिलाई ब्रह्माकुमारीज को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भिलाई की चैतन्य देवियों की झांकी महाकुंभ में होगी विशेष आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नववर्ष के आगमन 2025 में होने वाले प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में आयोजित विश्व के सबसे बड़े महाकुंभ में अंतर्राष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा स्वर्णिम भारत महाकुंभ का आयोजन कुंभ मेला क्षेत्र ,सेक्टर 7,बजरंग दास मार्ग,प्रयागराज, उ.प्र. में किया जा रहा है। विश्व में एकमात्र नारी शक्ति द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय संस्था के वैश्विक स्तर पर कार्यो को देखते हुए प्रशासन ने डेढ़ एकड़ से बढ़ाकर 2 एकड़ भूमि स्वर्णिम भारत महाकुंभ के लिए आवंटित की है। महाकुंभ 2025 में भिलाई

ब्रह्माकुमारीज को चैतन्य देवियों की झांकी तथा स्वर्णिम सनातन भारत दर्शन की बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

इसी क्रम में आज प्रातः राजयोग सत्र के पश्चात चैतन्य दैवी झांकी मेला सामग्री एवं चित्र प्रदर्शनी, मूर्तियों के ट्रक को श्रीफल फोड़कर परमात्म शिव पिता की याद में आशा दीदी जी हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। आशा दीदी जी ने इस स्वर्णिम भारत महाकुंभ के बारे में बताया कि इसका उद्देश्य भारत को पुनः विश्व गुरु स्वर्णिम संपन्न भारत बनाना तथा पूरे विश्व में परमात्मा शिव के आगमन का संदेश देकर राजयोग मेडिटेशन द्वारा उस परम शक्ति की अनुभूति कराना है। संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू में भिलाई को विश्व की भलाई करने वाले कथन से संबोधित किया जाता है,क्योंकि भिलाई आशा दीदीजी के नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में इसके पूर्व में संपन्न हुए प्रयागराज एवं उज्जैन महाकुंभ में भी चैतन्य देवियों की झांकी का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। ज्ञात हो कि आशा दीदीजी की अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू एवं प्रयागराज मेला प्रशासन अधिकारियों के साथ मीटिंग एवं भूमि आवंटित तक मुख्य भूमिका रही।

धान की खरीदी 4,08,202.80 मीट्रिक टन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले के 87 सहकारी समितियों के अंतर्गत 102 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 85023 किसानों से 4,08,202.80 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से प्राप्त जानकारी अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 31 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। धान उठाव के लिए 3,48,751.84 मीट्रिक टन धान के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है। अब तक 1,85,929.31 मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

खास खबर...

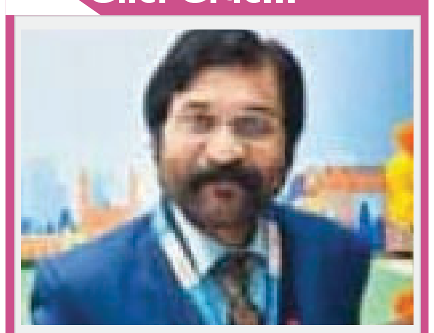

महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड से सम्मानित हुए डॉ. सुखदेव

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन एवं वैज्ञानिक चेतना पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार पुणे में आयोजित किया गया। 27 दिसंबर से लेकर 29 दिसंबर के आयोजन में देश विदेश से विद्वान सम्मिलित हुए। छत्तीसगढ़ से रायपुर के डॉ. सुखदेव को आमंत्रित किया गया। आमंत्रित वक्ताओं में डॉ. सुखदेव ने वैज्ञानिक सोच पर अपना उदबोधन दिया। कार्यक्रम में डॉ.सुखदेव को 'महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

तनाव प्रबंधन व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 7 को

रायपुर। भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। शारीरिक स्वास्थ्य का तो हम ध्यान रख लेते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बहुत कम जागरूक हैं। छोटी-छोटी बातों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, उदासी लोगों पर हावी हो रही है। काम का तनाव और दबाव झेलने की क्षमता लोगों में कम हो रही है।

इसी को ध्यान में रखते हुए रायपुर प्रेस क्लब और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर की ओर से तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रेस क्लब, मोतीबाग में 7 जनवरी 2025 को किया जा रहा है। इस बेहद महत्वपूर्ण कार्यशाला में भाग लेने के लिए

इच्छुक सदस्य 4 जनवरी 2024 तक प्रेस क्लब कार्यालय में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कार्यशाला में बेहतर जीवन शैली, स्वास्थ्य जागरूकता और तनाव को कैसे से हैंडल करना है, इसका प्रशिक्षण बेंगलुरू से आए विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा।

प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पांडेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई और संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी ने इच्छुक सदस्यों से इस महत्वपूर्ण और जरूरी कार्यशाला में भाग लेने की अपील की है।

सिंधी काउंसिल ने 2025 के पहले दिन काली मंदिर में की पूजा अर्चना

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफइंडिया छत्तीसगढ़ इकाई की पूरी टीम काली मंदिर आकाशवाणी रायपुर में महाआरती और विशेष पूजा अर्चना की। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने मां काली से मन्नत मांगी, पूरे समाज का कल्याण, किसी को भी जीवन में दुख न रहे, सब के घर खुशियों से भरे रहे।

इस अवसर पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, राम गिड़लानी, सुनील कुकरेजा, विक्की लोहाना, डॉ. एन डी गजवानी, धनेश मटलानी, सुमीत आठवानी, हेमंत मेघानी, आकाश बजाज, महेश खिलनानी, चंदर देवानी, महिला विंग अध्यक्ष राशि बलवानी, जूही दरयानी, लक्ष्मी चंचलानी, सोनिया निंज्यानी, कशिश खेमानी, रीत जुमानी, सीमा शर्मा, रिचा रोहड़ा, रीत खियानी, दीपिका जेठानी, कशिश भगवानी एवं पूजा सबलानी उपस्थित थे।

7 जनवरी तक मोवा ब्रिज बंद रहेगा

रायपुर। पंडरी मोवा ओवर ब्रिज पर आज से बीटी कार्य किया जाएगा। इस वजह से कलेक्टर मे कल से 7 जनवरी तक ब्रिज बंद रखने की अनुमति दी है। इस दौरान ब्रिज के दोनो सर्विस रोड और रेलवे अंडर ब्रिज से ट्रैफिक आवाजाही की अनुमति होगी। पहले ही दिन मोवा सड्डू दलदल सिवनी के एक लाख लोगों को जबरदस्त परेशानी और जाम से जूझना पड़ा। ब्रिज के नीचे दोनों सर्विस रोड और रेलवे अंडर ब्रिज पर कार बाइक की लंबी कतार रेंगती रही। करीब डेढ़ किमी का यह रास्ता पार करने में पौन से एक घंटे का समय लगा। सुबह और शाम आफिस अस्पताल जाने वालों को खासी परेशानी उठानी पड़ी।

सफाई, पेयजल, सड़क व विकास कार्यों को दे प्राथमिकता : आयुक्त मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए. बैठक में आयुक्त ने रायपुर नगर पालिक निगम के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनायें दीं, वहीं आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता एवं अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े ने आयुक्त अबिनाश मिश्रा को बुके प्रदत्त कर नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। आयुक्त ने सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती से सम्बंधित कार्यों को

प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नगर में सभी प्रगतिरत विकास कार्यों को समयसीमा में सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्तायुक्त तरीके से जनहित में पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, निदान 1100 हेल्प लाईन, मन्त्रीगणों, सांसद, विधायकगणों, जनप्रतिनिधिगणों से प्राप्त आमजनों के आवेदनों, जनशिकायत पत्रों का नियमानुसार त्वरित कार्यवाही कर शत-प्रतिशत संख्या में निदान जनहित में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने सभी प्रगतिरत विकास कार्यों में समयसीमा एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी के अनुरूप बनाने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारियों को पुख्ता तौर पर करवाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

निगम की पहल पर ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का सकारात्मक सन्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की सकारात्मक पहल पर स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत नववर्ष 2025 के दूसरे दिन ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के अमलीडीह जोन के स्वयंसेवकों की टीम द्वारा अपना गार्डन में तालाब के किनारे सफाई श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाकर जन-जन को स्वच्छता का सकारात्मक सन्देश दिया गया। स्वच्छता अभियान में सक्रियता से ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के हेमंत सिंह ठाकुर, भारत साहू, डिक्शन, चमरु दादा, उदय पाल सिंह जादौन, के बी अग्रवाल,डॉक्टर राधिका यादव सहित क्षेत्र के निवासी गणमान्यजनों ने श्रमदान किया। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत सकारात्मक पहल के फलस्वरूप विभिन्न एनजीओ, सामाजिक संस्थायें निरन्तर स्वस्फूर्त आगे आकर सफाई श्रमदान स्वच्छता अभियान में जुड़ रही हैं। जिसके राजधानी शहर रायपुर में सकारात्मक प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

आयुक्त मिश्रा ने चौक-चौराहों का पैदल भ्रमण कर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार आज रात्रि रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम रायपुर, जिला पुलिस प्रशासन, छग विद्युत पावर कंपनी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों सहित राजधानी शहर रायपुर के विभिन्न आधा दर्जन से अधिक यातायात समस्या से ग्रस्त रहने वाले प्रमुख चौक-चौराहों की यातायात व्यवस्था का पैदल भ्रमण कर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया एवं स्थल समीक्षा सहित अधिकारियों से चर्चा करते हुए प्रमुख चौराहों की यातायात व्यवस्था शीघ्र दुरुस्त करने की कार्यवाही जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सड़क यातायात सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि राजधानी शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में राजधानी शहर में रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में जिला पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, नगर निगम रायपुर, लोक निर्माण विभाग, छग विद्युत पावर कंपनी के अधिकारियों द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को राजधानी में मुख्य मार्गो, चौक ङ्क चौराहों में सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात उपलब्ध करवाया जा सके. नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर के मुख्य चौक-चौराहों की यातायात प्रबंधन व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण अधिकारियों सहित मोतीबाग चौक, शास्त्री चौक के समीप बंजारी वाले बाबा मजार चौक , शंकर नगर चौक, मेक इन इंडिया चौक तेलीबाँधा, व्हीआईपी मार्ग श्रीराम मन्दिर चौक, पचपेड़ीनाका चौक, संतोषी नगर चौक, भाठागांव चौक, रायपुरा चौक में पैदल भ्रमण करते हुए किया एवं आमजनों को होने वाली यातायात समस्या से रुबरु हुए।

आयुक्त ने विभिन्न प्रमुख चौराहों में वहां की यातायात समस्या शीघ्र दूर करने कब्जे हटाकर रोटेररी का स्थायी निर्माण करने, ट्रैफिक सिग्नल दुरुस्त करने, रोड डिवाइडर में व्यवहारिक आवश्यकतानुसार सुधार एवं मरम्मत करने, सड़क सीमा क्षेत्र में आ रहे विद्युत पोलों को मार्ग यातायात सुगम बनाने शीघ्र शिफ्ट करने के सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

आयुक्त के पैदल भ्रमण के दौरान मुख्य रूप से निगम अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन कमिश्नर विमल शर्मा, एके हालदार, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, ईई अतुल चोपड़ा, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, प्रभारी कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर,सहायक अभियंता आशुतोष सिंह, उप अभियंता नीतीश झा, जिला पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, राज्य लोक निर्माण विभाग, छग पावर विद्युत कम्पनी के सम्बंधित वरिष्ठ क्षेत्राधिकारीगणों की उपस्थिति रही।

17 आईपीएस अधिकारियों की पदोन्नति को मंजूरी, जल्द जारी होंगे आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 17 पुलिस अधिकारियों के प्रमोशन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) ने इन अधिकारियों के प्रमोशन को मंजूरी दे दी है। अगले एक-दो दिनों में पदोन्नति के आदेश जारी होने की संभावना है। 31 दिसंबर को आयोजित डीपीसी की बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा, एसीएस मनोज पिंगुआ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में प्रमोशन की कतार में खड़े सभी अधिकारियों की पदोन्नति को हरी झंडी दी गई।

दुर्ग और राजनांदगांव पुलिस रेंज के प्रभारी आईजी रामगोपाल गर्ग और दीपक झा अब पूर्णकालिक आईजी बन जाएंगे। दोनों अधिकारी 2007 बैच के आईपीएस हैं और अब तक डीआईजी के रूप में प्रभारी आईजी का कार्यभार संभाल रहे थे। प्रमोशन के बाद इनके पदनाम से प्रभारी शब्द हट जाएगा। 2011 बैच के सात आईपीएस अधिकारियों को डीआईजी रैंक पर प्रमोशन मिलेगा। इनमें संतोष कुमार सिंह, इंदिरा कल्याण एलिसेला, गोवर्धन सिंह ठाकुर, तिलक राम कोशिमा, प्रशांत कुमार ठाकुर, अजातशत्रु बहादुर सिंह और लाल उमेद सिंह शामिल हैं। ये अधिकारी फिलहाल विभिन्न जिलों में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत हैं। 2012 बैच के आठ आईपीएस अधिकारियों को सलेक्शन ग्रेड की मंजूरी दी गई है। इनमें आशुतोष सिंह, विवेक शुक्ला, शशि मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, श्वेता राजमणि, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, और रामकृष्ण साहू शामिल हैं।

पदोन्नति के बाद छत्तीसगढ़ में पांच और एसएसपी का इजाफा होगा। 2012 बैच के इन अधिकारियों में महासमुंद के एसपी आशुतोष सिंह, जांजगीर के एसपी विवेक शुक्ला, जशपुर के एसपी शशि मोहन सिंह, बलौदा बाजार के एसपी विजय अग्रवाल, और बेमेतरा के एसपी रामकृष्ण साहू शामिल हैं। जल्द जारी होने वाले पदोन्नति आदेश छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे के अधिकारियों के करियर में नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आएंगे।

रायपुर पुलिस ने गुम हुए 300 मोबाइल फोन ढूंढकर स्वामियों को सौंपे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन बरामदगी के विशेष अभियान के तहत 300 मोबाइल फोन खोजकर उनके स्वामियों को सुपुर्द कर दिया है। इन बरामद मोबाइल फोन्स की कुल कीमत लगभग 60 लाख रुपये है। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम द्वारा चलाया गया।

आवेदकों द्वारा दर्ज शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इन मोबाइल फोन्स को छत्तीसगढ़ समेत देश के अन्य राज्यों, जैसे ओडिशा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार से बरामद किया। तकनीकी विश्लेषण और अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर इन फोन्स को ढूंढा गया।

रायपुर पुलिस ने वर्ष 2024 में अब तक 1051 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत 2.25 करोड़ रुपये है। यह उपलब्धि रायपुर पुलिस की सतर्कता और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। मोबाइल धारकों को फोन के गुम होने की जानकारी दी गई। कुछ मामलों में मोबाइल धारकों ने फोन को बंद कर दिया, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस की गई।

अन्य राज्यों और जिलों से बरामद द्व्क्तेन्स को कुरियर के माध्यम से मंगाया गया। रायपुर पुलिस ने अन्य राज्यों की पुलिस से तालमेल बिठाकर सफलता हासिल की। रायपुर पुलिस ने जनता से अपील की है कि गुम मोबाइल की रिपोर्ट करें: www.ceir.gov.in पोर्टल पर गुमशुदगी की जानकारी दें और निकटतम थाने-साइबर सेल से संपर्क करें। अपने मोबाइल फोन को पासवर्ड प्रोटेक्टेड रखें। अगर किसी को लावारिस मोबाइल फोन मिलता है, तो उसे साइबर सेल, सिविल लाइन रायपुर में जमा करें। ऐसा करने वाले को पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा। रायपुर पुलिस के इस अभियान से न केवल गुम हुए फोन्स उनके असली मालिकों तक पहुंचे, बल्कि यह नागरिकों में साइबर अपराधों को लेकर जागरूकता फैलाने का माध्यम भी बना।

डॉ अजय सहाय को आईएमए ने दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर। आईएमए यानि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ के चिकित्सक डॉ अजय सहाय को राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा है। उन्हें यह पुरस्कार हैदराबाद में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस में दिया गया। रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ अजय सहाय को डॉ. ज्वाला प्रसाद गांगुली स्मृति राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

यह पुरस्कार वंचित समाज की दीर्घकालीन निस्वार्थ सेवाओं के लिए दिया जाता है। डॉ अजय सहाय विगत कई दशकों से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, ट्राइबल एवं नक्सल प्रभावित अंचलों एवं समाज के कमजोर वर्गों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा मुहैया करवा रहे हैं। जरूरतमंदों छात्र छात्राओं को वो स्टेशनरी एवं स्पोर्ट आइटम्स, चरण पादुकाएं, छतरियां, टिफिन बॉक्स, रेनकोट, सेनेटरी नैपकिंस आदि भी उपहार स्वरूप प्रदान करते हैं। समाज को सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक करने के लिए गोष्ठियों एवं विभिन्न प्रकार के इन्फोटेनमेंट प्रोग्रामों का भी आयोजन करते हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्यकताओं को सम्मानित भी करते हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस में उदघाटन अवसर पर तेलांगना के राज्यपाल जीशनू देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

लोगों को नए साल की अनमोल सौगात, 130 नवजीवनों की किलकारियों से गूंज उठा शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ष 2024 की विदाई और 2025 के स्वागत ने रायपुर में 130 परिवारों के लिए खुशियों की सौगात दी। बीते 48 घंटों के दौरान आंबेडकर अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में 130 बच्चों का जन्म हुआ। इनमें 73 बालक और 57 बालिकाएं शामिल हैं। सरकारी अस्पतालों ने आपात स्थिति में भी तत्परता से सेवाएं देते हुए सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया।

स्वास्थ्य विभाग ने नए साल की तैयारियों के बीच अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा। आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल, और ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष रूप से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के साथ अन्य चिकित्सा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को समय पर उचित इलाज मिल सके।

आंबेडकर अस्पताल में सबसे ज्यादा डिलीवरी

आंबेडकर अस्पताल में सबसे अधिक 51 डिलीवरी हुई। जिला अस्पताल कालीबाड़ी में 18, धरसींवा और अभनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 16-16 बच्चों का जन्म हुआ। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और बीरगांव में 9-9 प्रसव, आरंग में 6 और तिल्दा में 5 प्रसव हुए।

अप्रिय घटनाओं में घायल मरीज भी पहुंचे अस्पताल

नए साल का जश्न मनाने के दौरान कुछ अप्रिय घटनाएं भी हुईं। मारपीट और सड़क दुर्घटनाओं में घायल करीब 50 लोग आंबेडकर अस्पताल और जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। सभी को उनकी जरूरत के मुताबिक प्राथमिक और आपात उपचार प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता

सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए थे कि किसी भी मरीज को इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। स्वास्थ्य कर्मियों ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और प्रसव से लेकर आपात स्थिति तक सभी सेवाएं सुनिश्चित कीं। यह नए साल का स्वागत रायपुर के 130 परिवारों के लिए न केवल खुशी का पल बना, बल्कि एक यादगार शुरुआत का उपहार भी।

थंडेलः शादी के दो महीने बाद पर्दे पर साई पल्लवी से रोमांस करते नजर आएंगे नागा चैतन्य, आ गई रिलीज डेट

नागा चैतन्य जहां एक ओर शोभिता धुलिपाला से दिसंबर में शादी रचाने जा रहे हैं, वहीं अगले साल वैलेंटाइन्स डे के मौके पर उनकी नई फिल्म 'थंडेल' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह साई पल्लवी के साथ पर्दे पर रोमांस करते हुए नजर आएंगे। एक यह रोमांटिक-एक्शन फिल्म है।

नागा चैतन्य इन दिनों शोभिता धुलिपाला के साथ अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं, वहीं इस बीच एक्टर की नई फिल्म 'थंडेल' का फस्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है। साथ ही रिलीज डेट भी आ गई है। इस फिल्म में चैतन्य के साथ साई पल्लवी लीड रोल में हैं। शादी के दो महीने बाद ही नागा चैतन्य पर्दे पर रोमांटिक लव स्टोरी में नजर आएंगे, क्योंकि खबर है कि 4 दिसंबर को हैदराबाद में ही वह शादी करने वाले हैं। पहले ऐसी खबरें थीं कि यह शादी जयपुर में होगी, लेकिन अब बताया जा रहा है कि नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला हैदराबाद में नागार्जुन के अन्नपूर्णा स्टूडियो में ही सात फेरे लेंगे।

6 नवंबर को मेकर्स ने नागा चैतन्य की नई फिल्म 'थंडेल' का फस्ट पोस्टर रिलीज किया है। इसमें वह और साई पल्लवी एक-दूसरे की बाहों में नजर आ रहे हैं। चंदू मोंडेती के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म गीता आर्ट्स के बैनर तले बनी है और इसे अल्लू अरविंद प्रजेंट कर रहे हैं।

7 फरवरी 2025 को रिलीज होगी 'थंडेल'

मेकर्स ने पोस्टर के साथ ही 'थंडेल' की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। यह फिल्म 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। यह वैलेंटाइन डे से ठीक एक हफ्ते पहले आ रही है। यह तारीख इसलिए भी चुनी गई है कि सीजन के रोमांटिक मूड के हिसाब से यह एक रोमांटिक फिल्म के लिए बिल्कुल सही समय है।

असल जिंदगी की घटनाओं पर आधारित है कहानी

'थंडेल' फिल्म ने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है। फैंस साई पल्लवी और नागा चैतन्य की रोमांटिक केमिस्ट्री को लेकर खासे उत्साहित हैं। यह फिल्म आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के डी माचिलेसम गांव में हुई वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। कहानी में प्यार है, एक्शन है, ड्रामा है और रोमांच भी है। फिल्म का संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। चंदू मोंडेती ने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है और इसे डायरेक्ट भी कर रहे हैं।

श्रीलीला के हाथ लगी करण जौहर की फिल्म, मिला कार्तिक आर्यन का साथ

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 जब से रिलीज हुई है, यह बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म में जहां अल्लू की तारीफ हुई, वहीं श्रीलीला की एंट्री ने भी दर्शकों की धड़कनें बढ़ा दीं। इस फिल्म के आइटम नंबर किसिक में श्रीलीला ने अपने डांस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया है। उनकी खूबसूरती का हर कोई मुरीद हो गया है। श्रीलीला की बढ़ती लोकप्रियता देख अब उन्हें बॉलीवुड से फिल्म का प्रस्ताव आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलीला को धर्मा प्रोडक्शंस की नई फिल्म का प्रस्ताव आया है। फिल्म का नाम है तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी। यह वही फिल्म है, जिसके हीरो कार्तिक आर्यन हैं।खबर है कि इस फिल्म के लिए करण जौहर ने श्रीलीला से संपर्क किया है। बातचीत का सिलसिला जारी है। श्रीलीला ने फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

कार्तिक ने इसी साल दिसंबर के अंत में अपनी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का ऐलान किया था। क्रिसमस के मौके पर उन्होंने इस फिल्म का टीजर रिलीज किया था।साल 2026 में उनकी यह फिल्म रिलीज होगी। समीर विद्वंस इसके निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जिन्होंने सत्यप्रेम की कथा का निर्देशन किया था। बता दें कि करण और कार्तिक पहले दोस्ताना 2 के लिए साथ आने वाले थे, लेकिन बात नहीं बन पाई थी।

किसिक में अल्लू के साथ श्रीलीला की जोड़ी ने दर्शकों के बीच अपना खूब जादू चलाया। जहां श्रीलीला ने अपने डांस से लोगों का ध्यान खींचा, वहीं अल्लू के जोश को प्रशंसकों ने फायर बताया। कुछ ने तो यह तक कह डाला कि इस गाने ने पुष्पा में सामंथा रुथ प्रभु के गाने ऊ अंटावा... को भी पीछे छोड़ दिया। किसिक को खबर लिखे जाने तक यूट्यूब पर 2 करोड़ 60 लाख लोग देख चुके हैं।

कायदे से देखा जाए तो श्रीलीला का करियर सिर्फ 5 साल पुराना है। 2017 में उन्होंने बतौर बाल कलाकार तेलुगू फिल्म चित्रांगदा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2019 में उन्हें बतौर लीड हीरोइन कन्नड़ फिल्म किस में साइन किया गया। फिल्म में श्रीलीला की बड़ी तारीफ हुई। नतीजा ये हुआ कि बीते 5-6 साल में वह 11 फिल्मों में छोटे-बड़े रोल निभा चुकी हैं। पुष्पा 2 के बाद उनकी झोली में आगे 3 फिल्में और हैं।

माथे पर बिंदी, कानों में झुमके, पिंक स्टाइलिश साड़ी में अनुष्का ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने दिलकश अंदाज से अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वो कातिलाना अदाओं से पोज देती हुई फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और सेक्सी अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बलखाती हुई कमर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

वहीं, अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने माथे पर बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार लग रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है-टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- इतनी खूबसूरती लाती कहा से हो। अन्य यूजर ने लिखा है- उम्र के साथ-साथ ग्लो भी निखर रहा है. बता दें कि एक्ट्रेस अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

वेब सीरीज ब्लैक वारंट का टीजर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

'सेक्रेड गेम्स' बनाने वाले विक्रमादित्य मोटवानी एक कमाल की सीरीज लेकर दर्शकों के बीच फिर हाजिर होने वाले हैं। इस सीरीज का नाम है 'ब्लैक वारंट।' टीजर रिलीज किया गया। इस सीरीज में जहान कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। टीजर के साथ इसके रिलीज डेट का भी निर्माताओं ने खुलासा किया है। जेल पर आधारित यह सीरीज सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

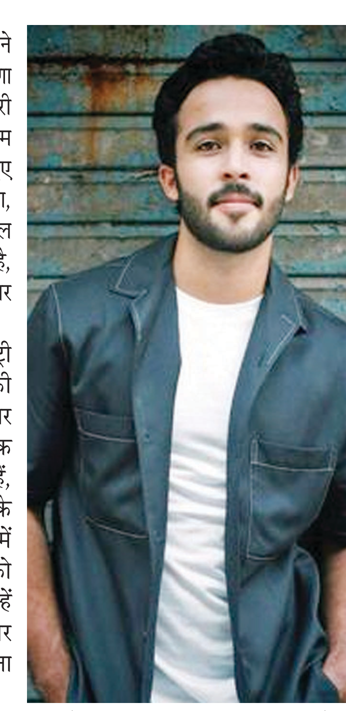

टीजर के साथ निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट की भी घोषणा की है। यह सीरीज 10 जनवरी 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। टीजर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, भारत की सबसे खतरनाक जेल में एक नया जेलर आया है, कहानी कुछ सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

टीजर में पहली एंट्री अभिनेता जहान कपूर की सुनील कुमार गुप्ता के किरदार के रूप में होती है, जो एक साक्षात्कार में दिखाई देते हैं, जिसके बाद वह एक जेलर के तौर पर खौफनाक जेल में पहुंच जाते हैं। टीजर को देखकर लगता है कि उन्हें काफी सारी परेशानियों और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

टीजर में यह देखने को मिलता है कि जहान कपूर जेलर की नौकरी इसलिए करना चाहते हैं कि वह देश के लिए कुछ करना चाहते हैं। वहीं, कोई उन्हें कहता है कि इस काम के लिए लंबा-चौड़ा होना जरूरी है, कोई उन्हें धाकड़ बनने की सलाह देता है। जेल को लेकर टीजर में एक डायलॉग है, सब कहते हैं कि जेल कचरे की पेटी है, जेल तो सर्कस है।

जहान कपूर फिल्म इंडस्ट्री के कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। मशहूर अभिनेता शशि कपूर ने जेनिफर केंडल से शादी की थी, जिनके तीन बच्चे करण कपूर, कुणाल कपूर और संजना कपूर हैं। जहान, कुणाल कपूर के बेटे हैं। उन्होंने साल 2022 में आई फिल्म 'फराज' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। अब, 'ब्लैक वारंट' से वह ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

60 दिनों में वजन घटाने के लिए अपनाएं ये वर्कआउट योजना

वजन घटाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है, लेकिन सही वर्कआउट योजना और समर्पण से इसे हासिल किया जा सकता है। इस लेख में हम आपको एक वर्कआउट योजना बताएंगे, जो 60 दिनों में 7 किलो वजन कम करने में मदद कर सकती है। यह योजना पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए उपयुक्त है और इसे घर पर भी आसानी से किया जा सकता है।इस योजना का पालन करके आप अपने फिटनेस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्डियो एक्सरसाइज से शुरुआत करें

कार्डियो एक्सरसाइज वजन घटाने के लिए जरूरी है। ये आपके दिल की धड़कन को बढ़ाती हैं और कैलोरी जलाने में मदद करती हैं। आप रोजाना सुबह या शाम को आधे घंटे तक दौड़ सकते हैं, साइकिल चला सकते हैं या रस्सी कूद सकते हैं। अगर बाहर जाना संभव नहीं हो तो घर पर जंपिंग जैक या बर्पीज़ कर सकते हैं। कार्डियो एक्सरसाइज करने से आपकी ऊर्जा बढ़ती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का महत्व समझें

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न केवल मांसपेशियों को मजबूत बनाती है बल्कि शरीर की अतिरिक्त चर्बी भी कम करती है। हफ्ते में दो दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें, जिसमें पुश-अप्स, स्क्वाट्स, लंजेस जैसी एक्सरसाइज शामिल हों। ये एक्सरसाइज आपकी मांसपेशियों को मजबूत करती हैं और शरीर की अतिरिक्त चर्बी को घटा सकती हैं। इसके अलावा स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से आपकी हड्डियां भी मजबूत होती हैं, जो लंबे समय तक फिट रहने में मदद कर सकती हैं।

योग और मेडिटेशन का संयोजन अपनाएं

योग और मेडिटेशन मानसिक शांति के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं।हफ्ते में एक दिन योग करें, जिसमें सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन जैसे आसन शामिल हों। ये आसन आपके शरीर को लचीला बना सकते हैं और तनाव को दूर करते हैं। इसके अलावा मेडिटेशन करने से तनाव कम होता है, जिससे आप अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) तेजी से कैलोरी जलाने का बेहतरीन तरीका है। इसमें छोटी अवधि के लिए उच्च तीव्रता वाली एक्सरसाइज की जाती है, जिसके बाद थोड़ी देर आराम किया जाता है।उदाहरण के तौर पर आप 30 सेकंड तक स्प्रिंट कर सकते हैं, फिर 30 सेकंड आराम कर सकते हैं और इसे कुछ बार दोहरा सकते हैं।एचआईआईटी आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे आपका शरीर अधिक कैलोरी जलाता रहता है।

आराम करने का दिन भी रखें

वर्कआउट प्लान में आराम का दिन भी जरूर होना चाहिए ताकि शरीर ठीक से रिकवर हो सके और मांसपेशियां मजबूत बन सकें।हफ्ते में एक दिन पूरी तरह आराम करें या हल्की स्ट्रेचिंग करें, जिससे अगले सप्ताह फिर से ऊर्जा के साथ वर्कआउट शुरू कर सकें।आराम करने से चोट लगने का खतरा भी कम होता है और आप अपनी फिटनेस यात्रा को लंबे समय तक जारी रख सकते हैं, जिससे वजन घटाने के लक्ष्य को हासिल कर सकें।

जान्हवी कपूर के दिल को छू गई ये तमिल फिल्म, अभिनेत्री ने बताया मूवी ऑफ द ईयर

जान्हवी कपूर ने हाल ही में तमिल फिल्म 'अमरण' को 'मूवी ऑफ द ईयर' करार दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए फिल्म को दिल को छूने वाला बताया। इस बीच जान्हवी ने साल के आखिरी दिनों में अपना वक्त नेटफ्लिक्स पर तमिल फिल्म 'अमरण' देखने कर बिताया। इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने जान्हवी पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। हाल ही में उन्होंने इसे देखने के बाद इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

फिल्म को बताया मूवी ऑफ द ईयर

उन्होंने लिखा, थोड़ा देर से देख सकी, लेकिन यह कितनी जादुई, भावनात्मक और दिल को छूने वाली फिल्म है। इस साल का अंत इतनी भावनात्मक और दिल तोड़ देने वाली फिल्म को देखकर पर करना शानदार रहा।

कमल हासन ने किया फिल्म का निर्माण

'अमरण' ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि ओटीटी पर भी लोगों को यह फिल्म काफी ज्यादा पसंद आ रही है। यह फिल्म राजकुमार पेरियासामी ने निर्देशित की है। वहीं, इसका निर्माण कमल हासन ने किया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी अगले साल सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगी। यह फिल्म शशांक खेतान निर्देशित कर रहे हैं। वहीं, वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ परम सुंदरी में भी दिखेंगी।

सर्दियों में कपड़े सुखाने में हो रही है परेशानी? इन 5 प्रभावी तरीकों को आजमाएं

सर्दियों में कपड़े सुखाना एक बड़ी चुनौती बन जाता है, खासकर जब धूप कम होती है।इस मौसम में नमी और ठंड के कारण कपड़े जल्दी नहीं सूखते हैं, जिससे बदबू और फंगस की समस्या हो सकती है। हालांकि, चिंता न करें क्योंकि कुछ आसान उपायों से आप बिना धूप के भी अपने कपड़ों को जल्दी और सही तरीके से सुखा सकते हैं। ये टिप्स हर किसी के लिए उपयोगी हैं, चाहे आप घर पर हों या बाहर।

हीटर का इस्तेमाल करें

हीटर का उपयोग करके आप अपने कमरे का तापमान बढ़ा सकते हैं, जिससे आपके गीले कपड़े जल्दी सूख जाएंगे। हीटर को सुरक्षित दूरी पर रखें ताकि कोई दुर्घटना न हो। इसके साथ ही कमरे की खिड़कियां थोड़ी खुली रखें ताकि हवा का प्रवाह बना रहे और नमी बाहर निकल सके। ध्यान दें कि हीटर का इस्तेमाल करते समय बिजली की खपत बढ़ सकती है इसलिए इसे जरूरत अनुसार ही चलाएं।

टॉवल रोलिंग तकनीक अपनाएं

गीले कपड़ों को जल्दी सुखाने के लिए टॉवल रोलिंग तकनीक एक बहुत उपयोगी तरीका है। इसके लिए आपको एक बड़ा सूखा तौलिया लेना होगा और उसमें गीला कपड़ा अच्छी तरह से लपेटना होगा, फिर इसे

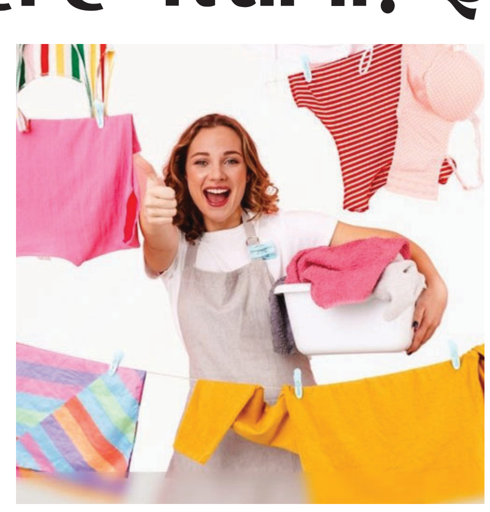

कसकर रोल करें ताकि तौलिया अतिरिक्त पानी को सोख लें।इस प्रक्रिया से आपके कपड़ों की नमी काफी हद तक कम हो जाएगी, जिससे वे जल्दी सूख जाएंगे। यह तरीका खासतौर पर तब काम आता है जब धूप नहीं होती।

ड्रायर रैक का इस्तेमाल करें

ड्रायर रैक एक शानदार विकल्प है जब आपको बिना धूप के कपड़े सुखाने होते हैं। इसे घर के अंदर किसी हवादार जगह पर रखें, जहां हवा का प्रवाह अच्छा हो। ड्रायर रैक पर अलग-अलग स्तर होते हैं, जिन पर आप अपने सभी प्रकार के छोटे-बड़े कपड़े फैला सकते हैं। इससे कपड़े समान रूप से सूखते हैं और नमी जल्दी खत्म होती है। यह तरीका खासतौर पर तब उपयोगी होता है जब बाहर मौसम खराब हो और धूप न मिले।

पंखे की मदद लें

पंखे की मदद से आप अपने गीले कपड़ों को जल्दी सुखा सकते हैं। इसके लिए पंखे को तेज गति पर चलाएं और उसके सामने या नीचे अपने गीले कपड़े फैलाएं।इससे हवा सीधे कपड़ों पर लगेगी और वे जल्दी सूख जाएंगे। यह तरीका तब बहुत काम आता है जब आपके पास समय कम हो और धूप का इंतजार नहीं कर सकते। ध्यान रखें कि कपड़े फैलाते समय उन्हें अच्छी तरह से फैला लें।

डीह्यूमिडिफायर का प्रयोग करें

डीह्यूमिडिफायर एक ऐसा उपकरण है, जो कमरे की नमी को कम करता है, जिससे आपके गीले कपड़े तेजी से सूख जाते हैं। इसे उस कमरे में लगाएं जहां आपने अपने कपड़े फैलाए हों ताकि वह वहां की अतिरिक्त नमी सोखे और वातावरण को शुष्क बनाए रखे। इन सरल उपायों को अपनाकर सर्दियों में भी आप आसानी से बिना धूप के अपने कपड़ों को सही तरीके से सुखा सकते हैं।

गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों की शुरूआत और एक नया रोड ओवर ब्रिज राष्ट्र को समर्पित

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का उद्घाटन

गुवाहाटी(एजेंसी)। रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप शुक्रवार को गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) राष्ट्र को समर्पित किया गया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर असम के माननीय राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, भारत सरकार के माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा की उपस्थिति के अलावा अन्य दूसरे स्थानों पर सांसद विधायक उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी के साथ मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसद व विधायक भी उक्त कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय मंत्रियों की उपस्थिति में नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है। रोपर में मुख्य कैंपस के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालिकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 सह इकाइयां हैं। नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने को तैयार है। यह उभरती डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण, साइबर सिक्यूरिटी एवं फॉरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की सुविधा प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम उद्योग के साथ और उद्योग के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कार्यबल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल हासिल करेगा।

इन ट्रेनों की हुई शुरुआत

शुरू की गई इन ट्रेनों में ट्रेन संख्या 55818/55817 (गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी) दैनिक पैसेंजर, ट्रेन संख्या 15911/15912 (तिनसुकिया-नाहरलगुन-तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12047/12048 (गुवाहाटी-उत्तर लखिमपुर - गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। इस समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम तथा पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है।

नए एफएम रेडियो सेंटर का उद्घाटन

आकाशवाणी कोकराझार में एक नए एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे धुबड़ी, बंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक की सेवा का लाभ मिलेगा। रेल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचनात्मक विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

कलेक्टर ने छिंदगांव में किसानों से लिए जा रहे मक्का फसल का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने गुरूवार 02 जनवरी को डौण्डी विकासखण्ड के प्रवास के दौरान छिंदगांव में मक्का फसल एवं पटेली में एनीकट का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम छिंदगांव में किसानों से मक्का फसल के उत्पादन के संबंध में चर्चा की। इस दौरान किसानों ने फसल उत्पादन के समय आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें उन्होंने मक्का बेचने हेतु सोसायटी नही होने की समस्या, उड़द, मक्का बीज की उपलब्धता की समस्या को बताया। किसानों ने प्रतिएकड़ मक्का का उपज 25-30 क्विंटल उत्पादन होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 एकड़ में 'पापकार्न' हेतु कच्चा मक्का बीज विक्रय हेतु फसल तैयार किया गया है। किसानों ने बताया कि धान के बदले मक्का उत्पादन से कम पानी में अच्छी फसल की पैदावार हो जाती है। उन्होंने बताया कि 70-75 एकड़ में 50-60 किसानों ने मक्का उगाया है। इस तरह अन्य किसान भी मक्का उत्पादन के लिए प्रेरित हो रहे है। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को किसानों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराने एवं उनके समस्याओं के समाधान का उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डौण्डी विकासखण्ड के प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने ग्राम पटेली में स्थित नदी पर बने एनीकट का निरीक्षण किया। उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि पटेली एनीकट के निर्माण होन से किसानों को सिंचाई पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पा रहा है। इसके साथ भूमिगत जल स्तर में भी वृद्धि हुई है। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपानल अधिकारी डीडी मण्डले सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

वय वंदन योजनाः बुजुर्गों को मिल रही विशेष स्वास्थ्य सहायता, विशेष शिविर का आयोजन कर बनाए जा रहे कार्ड

जिले में अब तक 2000 से अधिक वय वंदन कार्ड बनाए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत विशेष स्वास्थ्य सहायता प्रदान की जा रही है। आयुष्मान वय वंदन कार्ड के माध्यम से बुजुर्गों को यह स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है जिसके तहत उन्हें 5 लाख रूपए की चिकित्सा सहायता प्राप्त होगी। बुजुर्गो ने इस योजना को वरदान बताया है और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

बुजुर्ग झाडूराम कश्यप ने बताया कि उनकी उम्र 77 वर्ष हो गई है और यह योजना हम जैसे बुजुर्गो के लिए वरदान है। उम्र के इस पड़ाव पर हमें अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। सरकार की इस संवेदनशील पहल से उन जैसे लाखों बुजुर्गो को राहत मिल रही है। 5 लाख की स्वास्थ्य सहायता मिलने से अब उनकी अस्पताल के खर्चो की चिंता समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी ने बताया कि इस नई योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक के सभी नागरिकों का वय वंदन कार्ड बनाया जा रहा है जिससे उन्हें 5 लाख रूपए तक के इलाज की सुविधा मिलेगी। जिन वरिष्ठ नागरिकों का नाम पहले से आयुष्मान कार्ड में दर्ज है उन्हें इस योजना के तहत दोबारा पंजीकरण कराना होगा। पंजीयन के लिए नागरिकों को अपना आधार कार्ड प्रस्तुत करना होगा जिससे उनकी आयु का सत्यापन किया जा सके। पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड जारी किया जाएगा जिससे पंजीकृत स्वास्थ्य केन्द्रों में उन्हें 5 लाख रूपए तक की स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जिले में वय वंदन कार्ड बनाने का कार्य तेजी से जारी है। सामुदायिक केन्द्रों, च्वाईस सेंटर और विशेष शिविर के साथ ही स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर वय वंदन कार्ड बना रहे हैं। जिले में अब तक 2000 से अधिक कार्ड बनाए जा चुके हैं।

डॉ. तिवारी ने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए वरिष्ठ नागरिक अपना आधार कार्ड लेकर नजदीकी लोक सेवा केन्द्र (च्वाईस सेंटर), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या प्राथमिक केन्द्र में जाकर भी निःशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। योजना के विषय में अधिक जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 104 पर संपर्क किया जा सकता है।

राज्य सरकार पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को चिन्हांकित कर पर्यटन स्थल के रूप में कर रहे हैं विकसित

रोमांच से भरपूर सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत

- मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि पर लगता है विशाल मेला, ऐतिहासिक लोककथाओं से जुड़ा है पर्वत का नाम
- समुद्र तल से 900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है यह पर्वत, वर्षा ऋतु के दौरान पानी 1100 फीट नीचे गिरकर बनाता है घोड़ाधार जलप्रपात
- ट्रैकिंग और एडवेंचर के शौकीन युवाओं के लिए है शानदार डेस्टिनेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यटन और ऐतिहासिक, धार्मिक व पौराणिक महत्व के स्थलों को चिन्हांकित कर धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के अंतर्गत पर्यटन और रोमांच से भरपूर सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत नए पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आया है। इस पर्वत का ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक महत्व भी है। मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला का आयोजन भी होता है।

महासमुंद जिले के सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग और एडवेंचर के शौकीन युवाओं के लिए एक शानदार डेस्टिनेशन है। यह स्थान अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्त्व के लिए जाना जाता है। राजधानी रायपुर से 157 किमी और सरायपाली से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित यह पर्वत पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

शिशुपाल पर्वत (बूढ़ा डोंगर) समुद्र तल से 900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए रोमांचक ट्रैकिंग मार्ग है, जो रोमांचक ट्रैकिंग का नया अनुभव कराता है। यह पर्यटन स्थल साहसिक गतिविधियों के प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ट्रैकिंग मार्ग घने जंगलों, चट्टानों और प्राकृतिक पगडंडियों से होकर गुजरता है। पहाड़ के ऊपर एक विशाल मैदान है, जहां से वर्षा ऋतु के दौरान पानी 1100 फीट नीचे गिरकर घोड़ाधार जलप्रपात का निर्माण करता है। यह झरना और उसके चारों ओर हरियाली एक अद्वितीय दृश्य प्रस्तुत करता है। पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए, दो साल पहले पर्यटन मंडल ने इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की पहल की। यहां पहुंचने वाले सैलानियों के लिए आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया गया, जिससे उनकी यात्रा सुखद और आरामदायक हो सके।

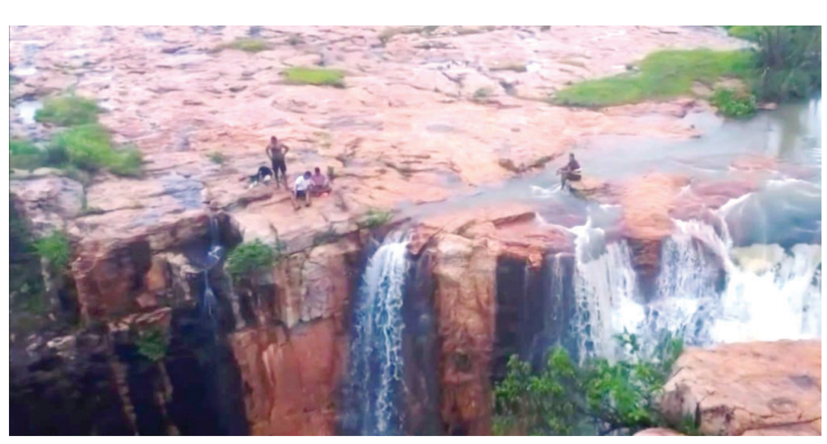

शिशुपाल पर्वत की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं। यहां का वातावरण, झरने की आवाज, ठंडी हवा एवं प्राकृतिक सुंदरता व शांति का संगम पर्यटकों को मानसिक शांति और सुकून का अनुभव कराती है। यह स्थान फोटोग्राफी और प्रकृति के अद्भुत दृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। शिशुपाल पर्वत न केवल रोमांचक ट्रैकिंग स्थल है, बल्कि इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम भी है। यह स्थान ट्रैकिंग, फोटोग्राफी और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यदि आप प्राकृतिक सुंदरता, रोमांच और इतिहास का अनुभव करना चाहते हैं, तो शिशुपाल पर्वत आपकी सूची में होना चाहिए। अपनी ऐतिहासिक महत्व और प्राकृतिक आकर्षण के साथ, शिशुपाल पर्वत आज के दौर में पर्यटन का नया केंद्र बनता जा रहा है।

शिशुपाल पर्वत पर्यटन स्थल में हर वर्ष मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि के अवसर पर भारी संख्या में भक्त दर्शन और पूजन के लिए आते हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मेले की चहल-पहल का आनंद लेते हैं। मकर संक्रांति पर लगने वाला यह मेला इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम है। धार्मिक आस्था, ऐतिहासिकता, साहसिक पर्यटन का अद्भुत अनुभव इसे एक संपूर्ण पर्यटन स्थल बनाता है। यह मेला न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि दूर-दूर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहा है।

शिशुपाल पर्वत का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्त्व है। इसे लेकर स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शिशुपाल पर्वत (बूढ़ा डोंगर) का नाम स्थानीय लोककथाओं से जुड़ा हुआ है। इस संदर्भ में किंवदंती है कि इस पहाड़ पर कभी राजा शिशुपाल का महल हुआ करता था। यहां का गौरवशाली इतिहास रहा है पर्वत के उपर ही अभेद्य दुर्ग, सुरंग एवं शिवमंदिर का निर्माण किया गया है, जिसका भग्नावशेष आज भी अतीत की गौरवगाथा सुनाती है। जब अंग्रेजों ने राजा को घेर लिया, तो उन्होंने वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने घोड़े की आंखों पर पट्टी बांधकर पहाड़ से छलांग लगा दी। इस घटना के कारण इस पर्वत का नाम शिशुपाल पर्वत और यहां स्थित झरने का नाम घोड़ाधार जलप्रपात पड़ा। यह बारहमासी झरना अत्यधिक ऊँचाई से गिरने के कारण अद्भुत सौंदर्य का अप्रतिम उदाहरण है।

इस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने की पहल शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले दिनों वन विभाग द्वारा पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए स्थल का निरीक्षण किया गया। चूंकि आसपास के क्षेत्र में बंसोड़ जाति बहुतायत संख्या में पाए जाते हैं, जो बांस की कलाकृति बनाते हैं। उन्हें भी रोजगार से जोड़ा जा सके। साथ ही एक पर्यटन परिपथ के रूप में भी विकसित किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि यहां से चंद्रहासिनी देवी मंदिर, गोमर्डा अभ्यारण, सिंघोड़ा मंदिर, देवदरहा जलप्रपात एवं पर्यटन स्थल नरसिंहनाथ को जोड़ा जा सकता है।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में कोरबा के आकाश का हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2025 दिल्ली में भाग लेने के लिए कटघोरा, जिला कोरबा के आकाश कुमार अग्रवाल पिता संतोष कुमार अग्रवाल निवासी बाजार मोहल्ला कटघोरा का चयन हुआ है। सन 2047 के पूर्व भारत को विकसित बनाने की मुहिम के अंतर्गत 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2025' कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसमें छत्तीसगढ़ से 80 हजार युवाओं ने भाग लिया था, जिसमें से विभिन्न चरणों के पश्चात कुल 45 युवाओं को दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपना विजन प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा। कोरबा जिले के आकाष अग्रवाल की इस उपलब्धि पर कलेक्टर अजीत वसंत ने बधाई और शुभकामनाएं दी। कटघोरा निवासी आकाष अग्रवाल और उनके पिता संतोष अग्रवाल ने कलेक्टर वसंत से मुलाकात की। कलेक्टर ने आकाष से विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2025 के संबंध में चर्चा करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की और नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के समक्ष कोरबा जिले के युवा द्वारा विजन प्रस्तुत करने के अवसर को सौभाग्यषाली बताया। प्रतियोगिता में चयनित आकाष ने कलेक्टर को बताया कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित भारत क्विज में उत्तीर्ण होने के बाद प्रतिभागियों द्वारा विकसित भारत चैलेंज के 10 विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखा गया।

खास खबर

गरियाबंद में एनकाउंटर : जवानों की घेराबंदी में फंसे तीन नक्सली ढेर, 300 जवानों ने चलाया ऑपरेशन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में शुक्रवार को एनकाउंटर में तीन नक्सली ढेर हो गए। सुरक्षा बलों जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में तीन नक्सलियों मुठभेड़ में मार गिराया है। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि जंगल में नक्सलियों का मुवमेंट है। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। इस नक्सल ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-ओडिशा के करीकब 300 जवान मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षाबलों ने चक्रव्यूह बनाकर नक्सलियों को चारों तरफसे घेर लिया था। इससे नक्सली भाग नहीं पाये। इस मुठभेड़ में जवानों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने मौके से शव और आटोमेटिक हथियार बरामद किये गये हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

पत्रकार मुकेश हत्याकांड: हिरासत में लिए गए तीन लोग, जल्द हो सकता है खुलासा; पूछताछ है जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में लापता पत्रकार मुकेश चंद्राकर की लाश मिलने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस तीनों लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले का आज पुलिस खुलासा कर सकती है। वहीं, पत्रकार मुकेश की मौत के बाद बीजापुर में पत्रकारों में रोष देखने को मिला। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर मौत मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस तीनों लोगों से पूछताछ कर रही है। ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उसका भाई रितेश समेत तीन लोग हिरासत में हैं।

कुछ और लोगों को भी मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा सकती है। पुलिस ने इस मामले में रितेश चंद्राकर को दिल्ली और उसके बड़े भाई सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर सुरेश चंद्राकर का रिश्तेदार भी था।

आपको बता दें कि शुक्रवार की शाम बीजापुर मुख्यालय के चट्टानपारा स्थित सुरेश चंद्राकर के यार्ड से पत्रकार का शव बरामद हुआ था। हत्या के बाद सबूत मिपाने के लिए

पत्रकार का शव सेप्टिक टैंक में डाल दिया गया था। पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने 1.20 करोड़ के भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में बस्तर संभाग के पत्रकारों ने शनिवार को बीजापुर बंद का आह्वान किया था। हत्या के विरोध में बीजापुर अस्पताल चौक पर दो घंटे का सांकेतिक चक्का जाम भी किया।

वन मंत्री और बस्तर सांसद पहुंचे पत्रकार के घर, दी श्रद्धांजलि

बीजापुर के युवा पत्रकार की हत्या की खबर के फैलते ही पूरे छत्तीसगढ़ के पत्रकार इस मामले से जुड़े आरोपियों को जहां फांसी की सजा देने की मांग पर अड़ गए हैं, वही घटना की जानकारी लगने के बाद वन मंत्री और बस्तर सांसद पत्रकार के घर पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। वहीं घटना को लेकर जहां वनमंत्री केदार कश्यप से लेकर बस्तर सांसद महेश कश्यप शनिवार की सुबह पत्रकार मुकेश के घर पहुंचे। इस दौरान मंत्री के सामने पत्रकारों ने मुकेश की हत्या के बाद सात सूत्रीय मांग भी रखी। साथ ही चेतावनी दी कि अगर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो पांच जनवरी से हड़ताल शुरू होगी।

यह सात सूत्रीय मांगे

- बीजापुर समेत बस्तर संभाग में सुरेश चंद्राकर की जितनी भी संपत्तियां हैं उसे जब्त कर सरकारी संपत्ति घोषित की जाए।
- हत्याकांड में शामिल आरोपियों पर विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर हो, साथ ही फांसी की सजा की मांग भी की।
- सुरेश चंद्राकर की सुरक्षा में लगाए जवानों को हटाया जाए।
- सुरेश चंद्राकर को जारी सभी टेंडर रद्द किए जाएं, सभी बैंक खाते, पासपोर्ट सील किए जाएं।
- घटना स्थल चट्टान पारा में बने अवैध बाड़ा को तत्काल निस्तेनाबूत किया जाए। गंगालूर रोड पर स्थित प्लांट सील किया जाए।
- पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेंद्र सिंह को तत्काल सस्पेंड या तबादला किया जाए।
- युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर को शहीद का दर्जा दिया जाए।

उक्त मांगें नहीं माने जाने पर पांच जनवरी से बीजापुर में अनिश्चिकालीन चक्का जाम किया जाएगा।

25 फीट नीचे खाई में गिरी तेज रफ्तार कार, दो एसईसीएल कर्मियों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 25 फीट नीचे खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो एसईसीएल कर्मियों की मौत हो गई है। वहीं दो की हालत गंभीर है। जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के बाद राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना संबंधित मोरगा चौकी पुलिस को दी गई।

बताया जा रहा है कि कार पर चार लोग सवार थे। जो कुसमुंडा से सूरजपुर श्री नगर कोटपटना जा रहे थे। कार में 35 वर्षीय गणेश प्रजापति, 35 वर्षीय रुद्रेश्वर गोड़, 40 वर्षीय बिहारी प्रजापति, और श्यामलाल प्रजापति सवार थे, जो तड़के सुबह जा रहे थे। इस दौरान मदनपुर घाटी के पास कार अनियंत्रित होकर 25 फीट नीचे खाई में जा गिरी। इस हादसे के बाद मौके में हड़कंप मच गया। इस हादसे में 35 वर्षीय गणेश प्रजापति और रुद्रेश्वर गोड़ की घटन स्थल पर ही वाहन में दबने से मौत हो गई। बिहार प्रजापति और श्यामलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राजगीरों की मदद से बाहर निकल गया और तत्काल 108 की मदद से अस्पताल के लिए रवाना किया गया। जहां दोनों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

मृतक गणेश प्रजापति कुसमुंडा एसईसीएल में सीपीएल विभाग में काम करता था। वहीं दूसरा मृतक रुद्रेश्वर एसईसीएल के केबल विभाग में पदस्थ था। घटना स्थल पर मोरगा चौकी पुलिस पहुंची। जहां घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए वाहन में फंसे शव को बाहर निकलने का प्रयास किया। वहीं मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई। पुलिस की माने तो घटना कब कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है। यह अभी जांच का विषय है। फिलहाल, अभी शव को बाहर निकाल कर पंचनामा कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ से लापता छात्रा मथुरा में मिली, वापस लाने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रविशंकर विश्वविद्यालय के हॉस्टल से गायब हुई एमएससी अंतिम वर्ष की छात्रा को रायपुर पुलिस ने मथुरा से बरामद कर लिया है। उसे अब वापस राजधानी लाने के लिए पुलिस टीम भेजी गई है। लगभग 25 दिनों के बाद छात्रा को रायपुर पुलिस ने अपने सुरक्षा घेरे में लिया है।

सात दिसंबर को अचानक छात्रा हेमलता अपने हॉस्टल से गायब हो गई थी। रिश्तेदारों का छात्रा से मोबाइल फोन पर संपर्क नहीं हो रहा था। इस दौरान छात्रा के पिता राजनांदगांव से रायपुर पहुंचे और आजाद नगर सर्किल के थाना सरस्वती नगर में इस बाबत मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद गुमशुदगी का पता चला। बृहस्पतिवार को यह छात्रा मथुरा के थाना राया क्षेत्र में मिली। छात्रा के परिजनों को भी पुलिस ने पहले मथुरा बुलाया और उनकी बात कराई। इसके बाद टीम रायपुर के लिए रवाना हुई। मिली जानकारी के अनुसार शाम तक टीम छात्रा को लेकर रायपुर पहुंच सकती है। इस मामले में रविवि हॉस्टल प्रबंधन और प्रशासन दोनों पर लापरवाही के आरोप लगे थे।

थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल ने बताया कि छात्रा राया के गांव नगला जंगली निवासी श्याम चौधरी को वृंदावन में परिक्रमा के दौरान मिली और वह उनके परिवार के संग उनके गांव आ गई। यहां उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस छात्रा को थाने ले आई और उससे पूछताछ की है। थाना प्रभारी के मुताबिक छात्रा मानसिक रूप से परेशान लग रही है। पुलिस का कहना है कि वह कान्हा के प्रेम में मथुरा आ गई थी। हॉस्टल से गायब होने के बाद टाटा नगर आदि स्थानों से होती हुई वृंदावन पहुंच गई।

सीआईडी ने किया खुलासा डॉक्टर पूजा की संदिग्ध मौत नहीं, जिम ट्रेनर ने की थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिला अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर पूजा चौरसिया की संदिग्ध मौत नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई है। सीआईडी ने अपनी 580 पन्नों की जांच रिपोर्ट में साफकर दिया है कि यह आत्महत्या नहीं थी। पूजा की हत्या उनके जिम ट्रेनर सूरज पांडेय ने की थी। पहले रेप करने के बाद स्कार्फसे गला दबाकर उनकी जान ले ली। सीआईडी ने सूरज पर हत्या और रेप की धाराओं में केस दर्ज करने की सिफारिश की है।

सीआईडी की एआईजी मेघा टेम्भूरकर की जांच में सामने आया कि पूजा का शव वज्रासन की अवस्था में पाया गया था। गले में बंधा स्कार्फ 6 फीट 6 इंच लंबा था, जो पंखे तक नहीं पहुंच सकता था। फांसी के मामलों में आमतौर पर गले की हड्डी टूट जाती है, लेकिन पूजा की हड्डी नहीं टूटी थी। इसके अलावा बिस्तर पर मिले साक्ष्यों और डीएनए जांच में रेप की पुष्टि हुई है। पूजा की मौत 10 मार्च 2024 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। सिरगिट्टी पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला मानते हुए सूरज को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। लेकिन पूजा की मां रीता चौरसिया ने इस कहानी को चुनौती दी। अमेरिका में रहने वाली रीता ने प्राइवेट फोरेंसिक जांच कराई, जिसमें हत्या और रेप के सबूत मिले। बार-बार शिकायत के बावजूद पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई, जिसके बाद रीता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट के आदेश पर सीआईडी जांच शुरू हुई। रिपोर्ट में पूजा के पति अनिकेत कौशिक पर कोई आरोप नहीं लगाया गया, लेकिन रीता ने सवाल उठाया कि यदि पूजा और सूरज के बीच संबंध थे, तो अनिकेत ने इसका विरोध क्यों नहीं किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अनिकेत और उनके पिता अशोक कौशिक ने पुलिस को गुमराह किया।

सीआईडी जांच ने शुरुआती पुलिस थ्योरी को पूरी तरह खारिज कर दिया। पूजा का मामला अब आत्महत्या नहीं, बल्कि दुष्कर्म और हत्या का साबित हुआ है। एडिशनल एसपी मेघा टेंभुरकर ने बताया कि पूजा के पति की इसमें कोई भूमिका छानबीन में नहीं मिली। सूरज पांडेय अब भी जेल में है उस पर हत्या और रेप दोनों का मामला अब चलेगा।

हथकरघा विभाग का वरिष्ठ निरीक्षक हरेकृष्ण रिश्वत लेते गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। हथकरघा विभाग के वरिष्ठ निरीक्षक हरेकृष्ण चौहान को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। चौहान ने रिपोर्ट भेजने के बदले 1.75 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। ग्राम केरा निवासी महेन्द्र देवांगन ने एसीबी, बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी तीन सहकारी समितियां - महामाया समिति मिस्दा, लक्ष्मी कोसा समिति खोखरा और बजरंग बुनकर समिति खोखरा-का कार्य बंद हो गया है। इसे फिर से शुरू कराने के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विपणन एवं सहकारी संघ, रायपुर में आवेदन दिया था। इस आवेदन पर सहायक संचालक, हथकरघा, जांजगीर-चांपा को जांच का निर्देश मिला।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, 1 की हुई मौत, 2 घायल

जगदलपुर। बोधघाट थाना क्षेत्र अंर्तगत करकापाल रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से एक बाइक जा टकराया, इस हादसे में एक युवक मनी की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो अंन्य बाइक सवर युवक कार्तिक और शेरसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना के बाद घायलों को महारानी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेकॉज रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी जानकारी के अनुसार तेतर गांव निवासी मनी अपने दो साथी कार्तिक और शेरसिंह के साथ करकापाल रेलवे क्रॉसिंग के पास मकान का निर्माण कर रहे थे, बीती रात तीनों किसी काम से मोटरसाइकिल में सवार होकर गए हुए थे, जहां से वापसी के दौरान करकापाल के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराए।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1.	163592 प्रथम आमंत्रण 30.12.2024	अड़भार से बुंदेली मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	426.62
2.	163629 प्रथम आमंत्रण 31.12.2024	जिला बेमेतरा के सेमरिया भैसबोड़ होते हुए सेंदरी तक मार्ग लंबाई 5.70 कि.मी. का पुल पुलिया निर्माण का कार्य।	716.75

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.01.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाइट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

जी-242505048/4

कार्यालय प्रभारी चिकित्साधिकारी सिविल अस्पताल सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
civilhospitalsupela@gmail.com
Cont.-0788-4912255

क्रमांक / सि.अ./निविदा/2025/01 सुपेला, दिनांक: 01-01-2025

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग में सायकल/मोटर स्टैण्ड के संचालन हेतु निविदा पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से अधिकृत / संस्था / समूह पंजीकृत संस्था इत्यादि उल्लेखित तिथी अनुसार आमंत्रित किया जाता है, जिसका नियम एवं शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन दिवस पर प्रात: 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग से प्राप्त किया जा सकता है।

1. निविदा प्रपत्र मूल्य - रू. 1000.00 (वापसी आयोग्य)
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 24/01/2025 दोपहर 03:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 27/01/2025 दोपहर 12:00 बजे तक
4. निविदा खोले जाने की तिथि - 27/01/2025 दोपहर 01:00 बजे

सीलबंद निविदाएं, कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन-490023 के नाम से रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट / कोरियर से कार्यालय में अंतिम तिथि तक पहुंच जाने चाहिए, समय पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा, वह स्वमेव निरस्त मानी जावेगी। लिफाफे के ऊपर विषय अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए।

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तित किया जा सकता है, जिसकी सूचना कार्यालय के सूचनापोर्टल में चस्पा कर दी जावेगी। (निविदा शर्तों का सही व पूर्णत: अध्ययन करने के बाद ही निविदा में भाग लें।)

प्रभारी चिकित्साधिकारी
सिविल अस्पताल सुपेला, भिलाई
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-242505040/4

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राजिम कुंभ कल्प 2025: 12 से 26 फरवरी तक होगा भव्य आयोजन, सीएम साय ने की तैयारियों की समीक्षा

छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को प्रदर्शित करने का माध्यम बनेगा राजिम कुंभ कल्प : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन 52 एकड़ के नए प्रस्तावित मेला स्थल में संपन्न होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन स्थित बैठक कक्ष में शंक्रवार को राजिम कुंभ कल्प के तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शाही स्नान, गंगा आरती, संत समागम समेत कुंभ कल्प के प्रमुख आयोजनों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

पर्यटन विभाग को नोडल बनाया गया

राजिम कुंभ कल्प के संपूर्ण आयोजन के लिए पर्यटन विभाग को नोडल बनाया गया है। 15 दिनों तक चलने वाले इस कुंभ कल्प में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी साधु संतों का विराट समागम होगा। माघी पुन्नी स्नान, शाही स्नान, जानकी जयंती के अवसर पर संत समागम विशेष रूप से आयोजित होगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन, मेला, मड़ई, मीना बाजार और विभागीय प्रदर्शनी भी कुंभ कल्प का विशेष आकर्षण के रूप में शामिल हैं। बैठक में विधायक रोहित साहू, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सचिव धर्मस्व अन्बलगन पी., संचालक संस्कृति विवेक आचार्य, आईजी रायपुर अमरेश मिश्रा, कलेक्टर गरियाबंद दीपक अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रशासनिक अमले को समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने राजिम कुंभ कल्प के आयोजन में शामिल समस्त विभागों और प्रशासनिक अमले को आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था, सुरक्षा संबंधी उपाय और स्वच्छता के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। श्री साय ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस आयोजन को सफल बनाएं और छत्तीसगढ़ की पहचान के रूप में इसे स्थापित करें। उन्होंने 12 फ़रवरी को आयोजित माघी पुन्नी स्नान, 21 फरवरी जानकी जयंती के अवसर पर संत समागम और 26 फ़रवरी को होने वाले शाही स्नान की तैयारी पर विशेष ध्यान देने को कहा।

सचिव ने दी आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

इस मौके पर मुख्यमंत्री साय को अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने राजिम कुंभ कल्प 2025 के आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से आयोजन स्थल में विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित स्थानों के बारे में बताया। कुंभ कल्प में नागरिक सुविधाओं, साधु संतों के आवागमन, शाही स्नान और गंगा आरती को लेकर विभाग के तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ होगा और 26 फरवरी महाशिवरात्रि को इसका समापन होगा।

राजिम कुंभ कल्प पैरी, महानदी और सोंढूर नदी के संगम पर आयोजित होगा। श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प 2025 धर्म, आस्था और संस्कृति का अद्भुत समागम होगा और यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को प्रदर्शित करने का भी सुंदर माध्यम है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रद्धालुओं को यहां अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त हो और यह आयोजन हमारी गौरवशाली विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाएं।

शराब के अवैध निर्माण व परिवहन को लेकर सीएम साय के सख्त निर्देश, बोले- दोषियों पर करें कड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से शराब बनाने वाले व शराब का अवैध परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिया है। सीएम साय ने शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों की बैठक ली। प्रदेश में अवैध मदिरा के विनिर्माण, धारण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस विभाग के समन्वय से कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

बैठक में सीएम साय ने कहा है कि राज्य के सीमावर्ती जिलों में स्थापित आबकारी चेक पोस्ट को क्रियाशील रखें। राज्य में स्थित आसवनियों, बॉटलिंग इकाईयों, होटल, बार, क्लब की नियमित सघन जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में देशी मदिरा की नवीन बॉटलिंग इकाई के लिए प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही की जाए तथा छत्तीसगढ़ के बाहर निर्मित मदिरा की विनिर्माण इकाईयों को छत्तीसगढ़ में स्वयं के विनिर्माण संयंत्र लगाये जाने के लिये प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए उन्हें कार्य अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके।

मदिरा दुकानों में सफाई का रखें ध्यान

मदिरा दुकानों में आवश्यक साफ-सफाई रखने, मदिरा के ब्राण्ड-लेबल का समुचित प्रदर्शन किये जाने तथा निर्धारित पंजियों का अद्यतन संधारण सुनिश्चित किये जाने के निर्देश भी बैठक में दिये गये। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश कुमार बसंल, राहुल भगत, पी दयानंद और बसवराजू एस., सचिव सह आयुक्त आबकारी आर संगीता, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन एवं छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्याम लाल धावड़े, विशेष सचिव (आबकारी) देवेन्द्र सिंह भारद्वाज तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आबकारी विभाग के रिक्त पदों को भरा जाए

मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने महुआ संग्राहक वनवासियों को आय के बेहतर साधन उपलब्ध हो सकें, इस उद्देश्य से अन्य राज्यों में प्रचलित महुआ नीति का अध्ययन करने के निर्देश दिये गये। विभाग द्वारा मदिरा दुकानों में कार्यरत कार्मिकों की उपस्थिति के संबंध में लागू आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (AEBAS) की मुख्यमंत्री ने सराहना की। इसी तरह देशी-विदेशी मदिरा के उपभोक्ताओं को उनकी पसंद अनुरूप मदिरा उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रारंभ किये गये 'मनपसंद ऐप में उपयोगकर्ता के डाटा की गोपनीयता बनाए रखने एवं ऐप में प्राप्त सुझाव एवं शिकायत पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश बैठक में दिये गये।

148 जोड़ें दाम्पत्य बंधन में बंधे मंत्री राजवाड़े ने दिया आशीर्वाद

महिला एवं बाल विकास विभाग के कैलेण्डर का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के प्रवास पर रहीं। जहां उनके मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयुष कॉलेज परिसर मरवाही में 148 जोड़ें परिणय सूत्र में बंधे।

श्रीमती राजवाड़े ने सभी वर-वधुओं को दाम्पत्य सूत्र में बंधने पर बधाई दी और उनके सुखद जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि परिवार को साथ लेकर चलना है, अपने माता-पिता की तरह सास-ससुर को सम्मान देना है, परेशानियों एवं अभावों में संयम से रहना है और सुख-दुख में एक-दूसरे को साथ देना है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर विभागीय योजनाओं पर आधारित कैलेण्डर का विमोचन किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने 18 वर्ष से कम उम्र के लड़कियों और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़कों का विवाह नहीं कराने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा वर-वधु के परिजन उपस्थित थे।

जन-आकांक्षाओं और स्थानीय रहवासियों की मांगों के अनुरूप नए नगरीय निकायों का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले साल जनवरी से दिसम्बर के बीच नौ नए नगरीय निकायों का गठन किया गया है। राज्य शासन ने इस दौरान सात नगर पंचायतों का नगर पालिका के रूप में उन्नयन भी किया है। स्थानीय रहवासियों की मांगों पर राज्य शासन ने संवेदनशीलतापूर्वक विचार करते हुए जन-आकांक्षाओं को पूरा करने नए नगरीय निकायों के गठन को मंजूरी दी है। इससे उभरते शहरों के रूप में विकसित हो रहे कस्बों में शहरी सुविधाएं जुटाने के कामों को और गति मिलेगी। राज्य में पिछले वर्ष गठित नगरीय निकायों को मिलाकर अब कुल 192 नगरीय निकाय हो गए हैं। इनमें 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका और 124 नगर पंचायत शामिल हैं। द्ब

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य की कस्बाई आवादी की मांग और उभरते शहरों के अनुरूप अधोसंरचनात्मक विकास को गति देने बीते कैंलेडर वर्ष 2024 में नौ नए नगर पंचायतों का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की पहल पर स्थानीय जन-आकांक्षाओं को पूर्ण करने तथा उन्हें मूर्त रूप देने नए नगरीय निकायों के गठन तथा ज्यादा आबादी वाले नगर पंचायतों के नगर पालिकाओं में उन्नयन की त्वरित कार्यवाही की गई है।

जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मांग पर वर्ष-2024 में जनवरी से दिसम्बर के बीच राजनांदगांव जिले के लाल बहादुर नगर और घुमका, मुंगेली के जरहागांव, कोरिया के पटना, बेमेतरा के कुसमी, गरियाबंद के देवभोग, सूरजपुर के शिवनंदनपुर, जांजगीर-चांपा के बम्हनीडीह और बालोद जिले के पलारी को नगर पंचायत बनाया गया है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नया रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के माध्यम से आमजन के बीच रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के साथ रक्तदान के प्रति समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया ।

एक दिवसीय रक्तदान शिविर में आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला, मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन विजय दयाराम के., संचालक महामारी नियंत्रण डॉ सुरेन्द्र पामभोई, राज्य नोडल अधिकारी ब्लड सेल डॉ निधि गवालरे व समस्त विभागों के नोडल, उप संचालक व समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं के स्वैच्छिक रक्तदाता के रूप में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया व कुल 47 यूनिट रक्त संग्रहित किये गए । रक्तदान शिविर के आयोजन पर आयुक्त डॉ. प्रियंका शुक्ला ने स्वयं भी रक्तदान किया और रक्तदान के संबंध में जानकारी दी कि एक यूनिट रक्त से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। कई बार ऐसी स्थिति देखने में आती है, जिसमें खासतौर पर गर्भवती महिलाएं शामिल होती है, जिनके अंदर रक्त की कमी पाई जाती है तथा डिलीवरी के समय उन्हें रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में आपके द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से लोगों के शरीर में एक नई उर्जा का संचार होता है। रक्तदान के पश्चात 90 दिन के बाद लोगों के शरीर में फिर नया रक्त संग्रह हो जाता है। इसलिए लोगों को रक्तदान करने से कभी घबराना नहीं चाहिये और रक्तदान कर लोगों को जीवन दान देना चाहिए। रक्तदान किसी एक व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है बल्कि साथ-साथ में कुछ व्यक्ति के जीवन से जुड़े अन्य परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्ति को मिल रहा है।

रक्तदान करने के कई स्वास्थ्यगत लाभ भी हैं। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी आपात स्थिति में रक्त की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आकर जरूरतमंदों की मदद की जानी चाहिए।

उद्योग मंत्री ने छह वार्डों को दी 2.14 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, बोले समृद्ध शहर की ओर हमारा कोरबा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज शुक्रवार कोरबा के बालको ओर सर्वमंगला नगर जोन के छह वार्डों को 2.14 करोड़ के कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा की कोरबा शहर अब समृद्ध शहर की ओर बढ़ रहा है। नगर निगम कोरबा के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में मंत्री लखन लाल देवांगन ने जिला खनिज न्यास मद और अधोसंरचना मद से होने वाले कार्यों की नींव रखी।

वार्ड क्रमांक 42 रूमगड़ा में 80.69 लाख की लागत से 5 विकास कार्यों के भूमिपूजन में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आप सभी को डबल इंजन की सरकार में विकास का वृहद रूप दिखने लगा है, अब एक ही वार्ड में 80 लाख से अधिक की लागत से आधा दर्जन कार्य एक साथ प्रारंभ किए जा रहे हैं। विष्णु देव की सरकार आते ही कोरबा शहर के विकास के लिए लंबित कार्यो की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की आगामी 4 वर्षों में शहर में प्रस्तावित विकास कार्यों की पूरी योजना तैयार है।

इसी तरह सर्वमंगला नगर जोन के प्रेमनगर सामुदायिक भवन में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में 134.18 करोड़ के कार्यों की आधारशिला रखी। वार्ड क्रमांक 54, 56, 58, 59 और 57 में 10 कार्यों का आज भूमिपूजन किया गया है। कुसमुण्डा क्षेत्र के वार्डों के लिए कुल 19 कार्य स्वीकृत कराए जा चुके है, वहीं 4 अन्य कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया में है।

जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेन्द्र देवांगन, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, पार्षद पुराईन बाई, नारायण ठाकुर, तुसली ठाकुर, नीरज शर्मा, कृष्णा यादव, सीताराम राठौर, सर्वमंगला मंडल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, बंकीमोगरा नपा अध्यक्ष शैल राठौर, माधव जायसवाल, पार्षद श्रुति कुलदीप, बॉबी गभेल, नरेंद्र साहू समेत अन्य उपस्थित रहे।

इन कार्यों का हुआ भूमिपूजन

बालको नगर जोन अंतर्गत वार्ड क्रमांक 42 रुमगढ़ा में शासकीय प्राथमिक शाला रूमगरा में नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य लागत राशि 22.71 लाख, शिवनगर बिरसामुड़ा मोहल्ला में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत राशि 25 लाख, शासकीय प्राथमिक शाला शिवनगर (बीच मोहल्ला) में अहाता निर्माण कार्य लागत राशि 2.98 लाख, दशहरा मैदान शिवनगर में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य लागत 5 लाख, न्यू शांतिनगर बस्ती में सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य लागत 25 लाख, संर्वमंगला नगर जोन अंतर्गत वार्ड क्र. 58 में सुराकछार बलगी मेन रोड शिवमंदिर और सेन्द्री दफ़ाई दशहरा मैदान से मंच तक डामरीकरण कार्य लागत 30 लाख, वार्ड क्र. 54 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय दुरपा में अहाता निर्माण कार्य लागत राशि 26.18 लाख, वार्ड क्र. 56 सुराकछार बस्ती में सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 20 लाख, वार्ड क्र. 57 क्षेत्रांतर्गत आनंद नगर में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड क्र. 54 सर्वमंगला मंदिर के पास संचालित वृद्धाश्रम में सुविधाओ का विस्तार कार्य लागत 2 लाख, वार्ड क्र. 56 अंतर्गत गरीब सिंह घर से शिव मंदिर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 7 लाख, वार्ड क्र. 59 विद्यानगर मोहल्ला में आरसीसी नाली निर्माण कार्य 9 लाख, वार्ड क्र. 58 क्षेत्रांतर्गत इमलीछापर में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड क्र. 58 मदरसा मोहल्ला में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य 10 लाख, वार्ड क्र. 56 डंगनिया के रक्सीपारा मोहल्ला में सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950